website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 360 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 06 दिसम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

भारत-रूस राष्ट्राध्यक्ष स्तर की बैठक:

दोनों देशों के बीच प्रवासन, उर्वरक, मीडिया और शिक्षा के क्षेत्र में हुए कई अहम समझौते

नई दिल्ली। भारत की यात्रा पर आए रूस के राष्ट्रपति की राजकीय यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच अनेक महत्वपूर्ण समझौते और घोषणाएँ की गईं। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी सूची में बताया गया कि प्रवासन, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, समुद्री सहयोग, ध्रुवीय क्षेत्रों में प्रशिक्षण, उर्वरक आपूर्ति, सीमा शुल्क, शिक्षा और मीडिया क्षेत्रों में कई MoU और समझौते हस्ताक्षरित हुए। प्रवासन और गतिशीलता के क्षेत्र में भारत और रूस ने दो महत्त्वपूर्ण समझौते किए, पहला अस्थायी श्रम गतिविधि को सुगम बनाने से जुड़ा है, जबकि दूसरा अनियमित प्रवासन का मुकाबला करने में सहयोग पर केंद्रित है। स्वास्थ्य तथा खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में भारत के स्वास्थ्य मंत्रालय और रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय के बीच चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और विज्ञान में सहयोग पर एक समझौता हुआ। इसके साथ ही भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) और रूस के उपभोक्ता अधिकार व कल्याण निगरानी प्राधिकरण के बीच खाद्य सुरक्षा पर सहयोग समझौता भी हस्ताक्षरित किया गया।

समुद्री सहयोग और ध्रुवीय जल क्षेत्रों में विशेषज्ञों के प्रशिक्षण के लिए भारत के पोत, शिपिंग और जलमार्ग मंत्रालय तथा रूस के परिवहन मंत्रालय के बीच एक समझौता किया गया। इसी क्षेत्र में एक अन्य MoU रूस के मेरीटाइम बोर्ड के साथ

भी हस्ताक्षरित हुआ। वहीं उर्वरक क्षेत्र में यूरालकेम (Ural-Chem) और भारत की RCF, NFL तथा Indian Potash Limited के बीच एक महत्त्वपूर्ण समझौता हुआ, जिसका उद्देश्य उर्वरकों की स्थिर और दीर्घकालिक आपूर्ति सुनिश्चित करना है। वहीं सीमा शुल्क और वाणिज्य के क्षेत्र में भी एक बड़ा कदम उठाते हुए भारत के केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड और रूस के फेडरल कस्टम्स सर्विस के बीच प्री-अराइवल डेटा साझा करने पर एक प्रोटोकॉल हस्ताक्षरित किया गया। इसके अलावा भारतीय डाक विभाग और रसियन पोस्ट के बीच द्विपक्षीय समझौता भी किया गया। शैक्षणिक और वैज्ञानिक सहयोग के अंतर्गत DIAT पुणे और रूस के नेशनल टॉम्स्क स्टेट यूनिवर्सिटी के बीच एक MoU हस्ताक्षरित हुआ। मुंबई विश्वविद्यालय, मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी और Russian Direct Investment Fund (RDIF) के बीच भी सहयोग समझौता किया गया। इसके अलावा मीडिया क्षेत्र में भारत के प्रसार भारती और रूस की कई प्रमुख मीडिया संस्थाओं जैसे Gazprom-media Holding, National Media Group, BIG ASIA, TV-Novosti और TV BRICS के साथ कई MoU किए गए, जिनका उद्देश्य दोनों देशों के बीच प्रसारण सहयोग को बढ़ाना है। घोषणाओं में बताया गया कि भारत-रूस आर्थिक सहयोग के रणनीतिक क्षेत्रों के विकास के लिए 2030 तक का एक व्यापक कार्यक्रम आगे बढ़ाया जाएगा। रूस ने International Big Cat Alliance (IBCA) में शामिल होने के लिए Framework Agreement को अपनाने का निर्णय लिया है। इसके अलावा "India -Fabric of Time" प्रदर्शनी आयोजित करने पर भी एक समझौता किया गया, जिसे नई दिल्ली के नेशनल क्राफ्ट्स म्यूजियम और मॉस्को के Tsaritsyno म्यूजियम के बीच आयोजित किया जाएगा। यात्रा के दौरान रूस के नागरिकों के लिए 30 दिनों का मुफ्त e-Tourist Visa और Group Tourist Visa देने की घोषणा भी की गई, जो परस्परता के आधार पर प्रदान किए जाएंगे।

सोशल मीडिया के जमाने में पुतिन नहीं चलाते फोन और इंटरनेट

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस वक्त भारत दौरे पर हैं। दुनिया की राजनीति में उनकी छवि बेहद प्रभावशाली नेताओं में से एक है। लेकिन पुतिन की एक आदत है जो सबको चौंकाती है। वह ना तो इंटरनेट इस्तेमाल करते हैं और ना ही स्मार्टफोन रखते हैं। आधुनिक टेक्नीक से दूरी बनाए रखने की वजह उन्होंने खुद बताई है।

पुतिन क्यों नहीं चलाते फोन?

द गार्जियन रिपोर्ट के मुताबिक, पुतिन कई बार कह चुके हैं कि इंटरनेट पूरी तरह अमेरिका की निगरानी में है। उन्होंने एक प्रेस मीटिंग में कहा था कि इंटरनेट की जड़ें अमेरिकी एजेंसी सीआईए से जुड़ी हैं और वही इसकी दशा तय करती है। पुतिन ने बताया कि इंटरनेट एक ऐसा मंच है, जहां पूरी दुनिया की एक्टिविटी पर आसानी से नजर रखी जा सकती है।

रूस ने बढ़ा दी थी सतर्कता

जानकारी के अनुसार, एडवर्ड स्नोडेन द्वारा दी गई गुप्त जानकारी के बाद पुतिन की शंका और बढ़ गई थी। स्नोडेन ने बताया था कि अमेरिका की सुरक्षा एजेंसियां बड़ी टेक कंपनियों की मदद से पूरी दुनिया के लोगों

की एक्टिविटी रिकॉर्ड करती हैं। पुतिन ने कहा कि इंटरनेट की कमजोरियों का फायदा उठाने से किसी भी देश की सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।

रूस ने की अलग इंटरनेट की मांग

पुतिन लंबे समय से मानते हैं कि रूस के लिए अलग इंटरनेट होना चाहिए। उनका तर्क है कि विदेशी सर्वरों पर निर्भर रहना देश की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। रूस के विशेषज्ञों का कहना है कि स्थानीय नेटवर्क मजबूत होने से बाहरी दबाव और निगरानी के खतरे काफी हद तक कम होंगे।

10वीं बार मुख्यमंत्री बने नीतीश कुमार को वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन ने भेजी विशेष बधाई

पटना। बिहार में एक बार फिर नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार का गठन हो गया है। 2025 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी 89 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जबकि जनता दल (यूनाइटेड) को 85 सीटें मिलीं। इसके बाद पटना के गांधी मैदान में नीतीश कुमार ने 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

दसवीं बार मुख्यमंत्री बनने के बाद नीतीश कुमार को देश और विदेश से लगातार बधाई संदेश मिल रहे हैं। इसी कड़ी में वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन ने पत्र भेजकर उन्हें इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए सम्मानित किया है।वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने अपने संदेश में कहा है कि वर्ष 1947 से 2025 तक के भारतीय इतिहास में नीतीश कुमार ऐसे पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने दस बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। संस्था ने इसे भारतीय लोकतांत्रिक इतिहास की एक अद्वितीय उपलब्धि बताया है। पत्र में आगे कहा गया है कि यह

असाधारण सफलता नीतीश कुमार के अटूट समर्पण, दूरदर्शी नेतृत्व और बिहार की जनता के उन पर विश्वास और प्रशंसा को दर्शाती है। संस्था के अनुसार, लगातार दस बार राज्य का नेतृत्व करना लोकतांत्रिक इतिहास में एक दुर्लभ उपलब्धि है। यह न केवल एक उल्लेखनीय व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व का क्षण भी है। शासन, विकास, सामाजिक कल्याण और प्रशासनिक स्थिरता के प्रति उनके निरंतर प्रयास आने वाली पीढ़ियों को भी प्रेरित करते रहेंगे। वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन ने यह भी सूचित किया है कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि के सम्मान में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम औपचारिक रूप से अपनी प्रतिष्ठित वैश्विक सूची में शामिल किया जाएगा और उन्हें आधिकारिक प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा। गौरतलब है कि वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन एक अग्रणी वैश्विक संस्था है, जो दुनिया भर में असाधारण उपलब्धियों, ऐतिहासिक योगदानों और विशिष्ट रिकॉर्ड्स को मान्यता देने के लिए जानी जाती है।

महात्मा गांधी ने विश्व शांति के लिए अमूल्य योगदान दिया: राष्ट्रपति पुतिन

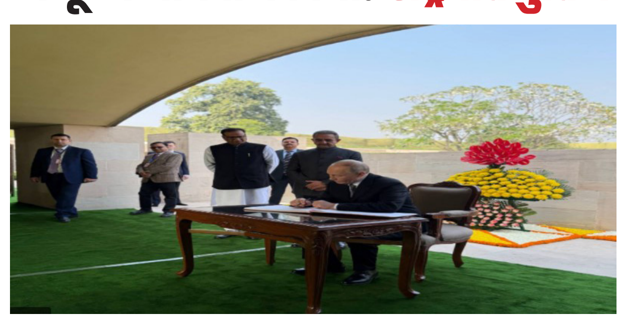

नई दिल्ली। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को राजघाट पर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद रूसी राष्ट्रपति ने एक विजिटर बुक पर हस्ताक्षर भी किया, जिस पर एक संदेश लिखा था। महात्मा गांधी के लिए दिए संदेश में पुतिन ने लिखा कि आधुनिक भारत के संस्थापकों में से एक के रूप में उन्होंने विश्व शांति के लिए अमूल्य योगदान दिया।

राजघाट परिसर के सम्मानीय विजिटर्स की बुक पर हस्ताक्षर करते हुए, पुतिन ने कहा कि महात्मा गांधी ने नए, ज्यादा न्यायपूर्ण, बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था का अंदाजा लगाया था जो अभी अपने शुरुआती दौर में है। महात्मा गांधी के रूस के साथ कई जुड़ाव थे जो दोनों देशों के साझा इतिहास का हिस्सा हैं। राष्ट्रपति पुतिन ने लिखा, "आधुनिक भारत के फाउंडर्स में से एक, महान दार्शनिक और मानवतावादी महात्मा गांधी ने विश्व शांति में एक बहुमूल्य योगदान दिया। आजादी, अच्छाई और इंसानियत पर उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं।" उन्होंने आगे कहा, "महात्मा गांधी ने लियो टॉल्स्टॉय को लिखे अपने खतों में, दुनिया के भविष्य के बारे में विस्तार से बात की थी, जो आदेश और दबदबे से आजाद हो, और लोगों के बीच बराबरी, आपसी सम्मान और सहयोग के सिद्धांत पर आधारित हो। और यही वो सिद्धांत और महत्व हैं जिनका रूस और भारत आज अंतरराष्ट्रीय मंच पर मिलकर बचाव करते हैं।" विदेश राज्य मंत्री (एमओएस) कीर्ति वर्धन सिंह के साथ, राष्ट्रपति पुतिन ने राजघाट पर महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन हैदराबाद हाउस पहुंचे और वहां पर अपनी द्विपक्षीय वार्ता शुरू की। बैठक को पीएम मोदी ने संबोधित किया और भारत और रूस के संबंधों के बारे में बताया। इस दौरान उन्होंने रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को लेकर अपना पक्ष साफ शब्दों में रखा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत का पक्ष बिल्कुल साफ है कि हम शांति के साथ हैं। पीएम मोदी ने कहा, "कल से डेलिगेशन के लोग अनेक बैठकों में व्यस्त रहे हैं। बहुत सारे नतीजों के साथ ये समिट आगे बढ़ रही है। राष्ट्रपति जी, आपकी ये यात्रा बहुत ही ऐतिहासिक है। 2001 में जब आपने कार्यभार संभाला और पहली बार भारत की यात्रा हुई आज उसे 25 साल हो गए हैं। उस पहली यात्रा में ही रणनीतिक साझेदारी की नींव रखी गई थी। मेरे लिए व्यक्तिगत तौर पर यह खुशी की बात है कि आपके साथ मेरे परिचय और संबंधों को भी 25 साल हो गए। मैं मानता हूं कि 2001 में आपने जो भूमिका अदा की, एक विजनरी नेता कैसे सोचता है, कहां से शुरू करता है और संबंधों को कहां तक पहुंचा सकता है, इसका शानदार उदाहरण भारत और रूस का संबंध है।" रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर पीएम मोदी ने कहा, "यूक्रेन के संकट के बाद हमारी लगातार चर्चा होती रही है। आपने भी समय-समय पर एक सच्चे मित्र के रूप में हमें सभी चीजों से अवगत कराया। विश्वास बड़ी ताकत है। आपसे मैंने अनेक बार इस विषय की चर्चा भी की है और विश्व की समझ भी मैंने रखी है। विश्व का कल्याण शांति के मार्ग पर ही है। हम सबको मिलकर शांति के मार्ग तलाशने चाहिए।"

मस्जिदों और मदरसों में भी लगें CCTV कैमरे

-BJP सांसद अरुण गोविल ने लोकसभा में उठाई सुरक्षा की मांग

नई दिल्ली। लोकसभा के शून्यकाल के दौरान मेरठ से बीजेपी सांसद अरुण गोविल ने मस्जिदों और मदरसों में भी सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि मस्जिदें और मदरसे बड़े सार्वजनिक और सामुदायिक स्थल हैं, जहां बड़ी संख्या में लोग आते-जाते हैं, इसलिए वहां भी सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। गोविल ने स्पष्ट किया कि उनका बयान किसी धर्म के विरोध में नहीं है, बल्कि देश के सभी नागरिकों की सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। अरुण गोविल ने सदन में कहा कि आज देशभर में मंदिरों, चर्चों, गुरुद्वारों, कॉलेजों, अस्पतालों, बाजारों और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं। ये कैमरे पारदर्शिता बढ़ाने, सुरक्षा मजबूत करने और अपराध नियंत्रण में काफी कारगर साबित हुए हैं। लेकिन मस्जिदों और मदरसों में अभी तक इस तरह की सुरक्षा व्यवस्था व्यापक रूप से लागू नहीं हो पाई है, जबकि ये भी रोजमर्रा की गतिविधियों से जुड़े बड़े सार्वजनिक स्थल हैं।

मक्का और मदरसों का उदाहरण दिया

उन्होंने कहा कि इस्लाम धर्म के सबसे पवित्र स्थल सऊदी अरब के मक्का और वहां के मदरसों में भी सुरक्षा कारणों से सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। गोविल ने सवाल उठाया कि जब मक्का जैसे पवित्र स्थल पर सुरक्षा को सर्वोपरि मानते हुए यह व्यवस्था अपनाई जा सकती है, तो भारत में समान सुरक्षा मानकों को लागू करने में संकोच क्यों किया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर वहां सुरक्षा प्राथमिकता है, तो भारत में भी यही सिद्धांत अपनाया जाना चाहिए।

समान राष्ट्रीय सुरक्षा नीति की मांग

बीजेपी सांसद ने केंद्र सरकार से एक समान राष्ट्रीय सुरक्षा नीति बनाने की अपील की, जिसके तहत मस्जिदों और मदरसों में भी सीसीटीवी कैमरे अनिवार्य किए जाएं, ठीक उसी तरह जैसे मंदिरों, स्कूलों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों में लगाए गए हैं। उनका कहना था कि इससे देश का राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र और अधिक मजबूत होगा।

गोविल के इस बयान के बाद सुरक्षा मानकों को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। कुछ लोग इसे समान सुरक्षा नीति की दिशा में जरूरी कदम बता रहे हैं, जबकि कुछ इसे विवादास्पद मुद्दा मान रहे हैं। हालांकि, अरुण गोविल अपने बयान पर कायम हैं और उनका कहना है कि सुरक्षा सबके लिए है और इससे किसी को भी आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

दिल्ली से नहीं उड़ेगा इंडिगो का कोई विमान, मुंबई-चेन्नई सहित कई शहरों में उड़ानें रद्द

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो इस समय गहरे ऑपरेशनल संकट से गुजर रही है। गुरुवार 4 दिसंबर को हालात यह रहे कि देशभर में इंडिगो की उड़ानों पर भारी असर पड़ा। एयरलाइन का ऑन-टाइम परफॉर्मेंस गिरकर सिर्फ 8% रह गया। यानी रोजाना करीब 2200 उड़ानों के तय शेड्यूल में से महज़ 176 ही समय पर उड़ पाईं, जबकि 2000 से ज्यादा फ्लाइट्स या तो देरी से चलीं, रद्द हुईं या किसी न किसी कारण से प्रभावित रहीं। दिल्ली एयरपोर्ट से शुक्रवार 5 दिसंबर को इंडिगो की सभी घरेलू डिपार्चर उड़ानें रात 12 बजे तक (23:59 घंटे तक) रद्द कर दी गई हैं। वहीं चेन्नई एयरपोर्ट से भी शुक्रवार शाम 6 बजे तक लगभग सभी डिपार्चर फ्लाइट्स को कैंसिल कर दिया गया है, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जम्मू में पूरी तरह ठप हुई उड़ानें

जम्मू एयरपोर्ट पर स्थिति और भी गंभीर बनी हुई है। यहां से रोजाना इंडिगो की 11 उड़ानों का संचालन होता था, लेकिन आज एक भी फ्लाइट नहीं चलाई जा रही है। इंडिगो की सभी आने-जाने वाली उड़ानें रद्द कर दी गई हैं, जिससे सैकड़ों यात्री फंस गए हैं।

मुंबई एयरपोर्ट पर अफरातफरी

मुंबई एयरपोर्ट पर इंडिगो काउंटर के बाहर हालात बेकाबू हो गए। करीब 500 से 600 यात्रियों के प्रभावित होने की सूचना है। लगातार फ्लाइट कैंसिलेशन और लंबी देरी से नाराज यात्रियों ने हंगामा किया, जिसके बाद CISF के जवानों को मौके पर तैनात करना पड़ा। यात्रियों का आरोप है कि इंडिगो के क्रू मेंबर्स का रवैया रूखा और असहयोगी रहा। स्थिति को संभालने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल लगाए गए हैं।

टेक्निकल दिक्कतों ने बढ़ाई परेशानी

इसी बीच Akasa Air ने भी जानकारी दी है कि उसकी वेबसाइट और मोबाइल ऐप में तकनीकी खामियां आ रही हैं। इसके कारण ऑनलाइन बुकिंग, वेब चेक-इन और मैनेज बुकिंग जैसी सेवाएं अस्थायी रूप से प्रभावित हुई हैं। एयरलाइन ने यात्रियों को सलाह दी है कि ऐसी स्थिति में वे एयरपोर्ट समय से पहले पहुंचकर चेक-इन प्रक्रिया पूरी करें। लगातार उड़ान रद्द होने और तकनीकी समस्याओं के चलते हवाई यात्रियों की मुश्किलें और बढ़ती नजर आ रही हैं।

लोकसभा में पेश हुआ हेल्थ एंड सिक्योरिटी सेस बिल, डिमेरिट गुड्स पर बढ़ेगा टैक्स

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में 'हेल्थ एंड सिक्योरिटी सेस बिल, 2025' पेश किया। इस बिल के तहत पान मसाला जैसे उत्पादों पर अतिरिक्त कर (सेस) लगाया जाएगा। मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह सेस किसी भी आवश्यक वस्तु पर नहीं लगेगा और इससे मिलने वाली आमदनी राज्यों के साथ साझा की जाएगी, ताकि वे स्वास्थ्य योजनाओं पर खर्च कर सकें। सीतारमण ने कहा कि यह सेस उन "डिमेरिट गुड्स" पर लगाया जाएगा जिन्हें खरीदना या इस्तेमाल करना स्वास्थ्य के लिए गंभीर जोखिम पैदा करता है। सरकार चाहती है कि इन वस्तुओं की कीमत बढ़े ताकि लोग इन्हें कम खरीदें। उन्होंने बताया कि पान मसाला पर जीएसटी की अधिकतम दर 40 प्रतिशत रहेगी और इस नए सेस का जीएसटी राजस्व पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यह सेस कारखानों की मशीनों की उत्पादन क्षमता के आधार पर लगाया जाएगा। यानी हर फैक्ट्री की सेस देनदारी उसकी क्षमता के अनुसार अलग-अलग होगी। वित्त मंत्री ने बताया कि पान मसाले पर एक्साइज ड्यूटी नहीं लगाई जा सकती, इसलिए अलग से यह

सेस बिल लाया जा रहा है, ताकि उत्पादन पर भी कर लगे और उपभोग पर जीएसटी पहले से लागू है। इससे पहले बुधवार को लोकसभा ने एक बिल पारित किया था, जिसके तहत तंबाकू पर जीएसटी (40%) के अलावा एक्साइज ड्यूटी भी लगाई जाएगी। वर्तमान में पान मसाला, तंबाकू और इससे जुड़े उत्पादों पर 28% जीएसटी और अलग-अलग दर का मुआवजा सेस लगता है। मुआवजा सेस समाप्त होने पर जीएसटी दर 40% हो जाएगी।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का गुजरात में तीन दिन का दौरा, अनेक विकास कार्यों का उद्घाटन करेंगे

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का तीन दिवसीय गुजरात दौरा शुक्रवार से शुरू हो रहा है। इस दौरान वे अहमदाबाद, गांधीनगर, सनादर (दियोदर), वाव-थराद और आसपास के क्षेत्रों में 25 से अधिक सार्वजनिक कार्यक्रमों में शिरकत करेंगे। इस दौरे का उद्देश्य राज्य में सहकारी क्षेत्र में सुधार, शहरी विकास, लोक कल्याण अवसंरचना और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देना है।

शाह अपने दौरे की शुरुआत 'स्वदेशोत्सव' के उद्घाटन से करेंगे

शाह अपने दौरे की शुरुआत मेमनगर स्थित जीएमडीसी ग्राउंड में स्वदेशी जागरण मंच द्वारा आयोजित 'स्वदेशोत्सव' के उद्घाटन से करेंगे। इसके बाद वे गांधीनगर के महात्मा मंदिर में नाबार्ड (NABARD) के अर्थ समिट 2025 के समापन सत्र में शामिल होंगे।

गृह मंत्री करेंगे कई नागरिक सुविधाओं का उद्घाटन

पहले दिन गृह मंत्री कई नागरिक सुविधाओं का उद्घाटन करेंगे। इनमें नया सार्वजनिक उद्यान, योग स्टूडियो, एक प्राथमिक विद्यालय भवन, एलसी-11 रेलवे ओवरब्रिज, अंडर-ब्रिज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और तीन गांवों में पीएनजी गैस पाइपलाइन कनेक्शन की शुरुआत शामिल है। दिन का समापन वे संसद खेल उत्सव के समापन समारोह के साथ करेंगे, जिसके बाद 'अहमदाबाद शॉपिंग फेस्टिवल' का उद्घाटन किया जाएगा।

सहकारिता मंत्रालय की सलाहकार समिति की बैठक की करेंगे अध्यक्षता

6 दिसंबर को शाह सनादर स्थित बनास डेयरी पहुंचेंगे, जहां वे कई परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। इसके अलावा वे सहकारिता मंत्रालय की सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे, जो देशभर में सहकारी संस्थाओं को मजबूत और विस्तृत करने के केंद्र के प्रयासों को रेखांकित करेगी।

पीपीपी मॉडल पर कई जनसुविधाओं का करेंगे शुभारंभ

दौरे के अंतिम दिन 7 दिसंबर को अहमदाबाद में आवास और अवसंरचना से जुड़ी प्रमुख परियोजनाओं पर फोकस होगा। शाह थलतेज में पीएमएवाई के तहत 861 ईडब्ल्यूएस आवास और नवा वडाज में स्लम पुनर्वास योजना के तहत 350 आवासों का उद्घाटन करेंगे। इसके साथ ही वे पीपीपी मॉडल पर विकसित ऑक्सीजन पार्क, शकरी और वस्त्रपुर में नई झीलों, नई सामुदायिक सुविधाओं, एक मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और कई जनसुविधाओं का शुभारंभ करेंगे।

आनंदीबेन पटेल पर लिखित पुस्तक "चैलेंजेस इंस्पायर मी" के गुजराती संस्करण का लोकार्पण

शाम को वे उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल पर लिखित पुस्तक "चैलेंजेस इंस्पायर मी" के गुजराती संस्करण का लोकार्पण करेंगे। इसके बाद शाह साबरमती रिवरफ्रंट पर बीएपीएस स्वामीनारायण संस्था द्वारा आयोजित प्रमुख वर्णी अमृत महोत्सव में शामिल होंगे।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

रूस–यूक्रेन शांति प्रयासों में भारत की बढ़ती कूटनीतिक भूमिका

रूस–यूक्रेन युद्ध अब केवल दो देशों के बीच का सैन्य संघर्ष नहीं रह गया है, बल्कि यह एक ऐसा वैश्विक संकट बन चुका है, जिसका असर यूरोप से लेकर अमेरिका, चीन और भारत तक साफ़ दिखाई देता है। ऐसे समय में भारत की भूमिका को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर अपेक्षाएँ सामने आ रही हैं। यूरोप के कई प्रमुख देशों ने भारत से खुलकर आग्रह किया है कि वह यात्रा पर आए रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर यूक्रेन से शांति समझौते के लिए दबाव बनाए। यह संकेत है कि दुनिया भारत को अब केवल एक उभरती शक्ति नहीं, बल्कि संतुलन बनाने वाला जिम्मेदार कूटनीतिक खिलाड़ी मान रही है। आज के दौर में युद्ध की हार-जीत केवल इस आधार पर नहीं मापी जाती कि कौन-सा देश कितनी ज़मीन जीत या हार गया। अब युद्ध का मूल्यांकन उससे हुई आर्थिक, सामाजिक और वैश्विक क्षति से भी किया जाता है। रूस भले ही अपनी सामरिक ताकत के बल पर आक्रमण जारी रखे हुए है, लेकिन उसकी अर्थव्यवस्था पर इस युद्ध का गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। पश्चिमी प्रतिबंधों ने रूस की वित्तीय व्यवस्था को झकझोर दिया है और उसकी वैश्विक आर्थिक पहुँच को सीमित किया है। ऊर्जा क्षेत्र, जो रूस की आमदनी का सबसे बड़ा स्रोत रहा है, वह भी अब पहले जैसी मज़बूत स्थिति में नहीं है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की नीतियों ने वैश्विक तेल बाज़ार में रूस की पकड़ को और कमज़ोर किया। रूस ने कुछ समय तक चीन को सस्ता तेल बेचकर अपनी अर्थव्यवस्था को संभालने की कोशिश की, लेकिन अमेरिका के टैरिफ और व्यापक दबावों के चलते चीन और भारत दोनों ही इस रणनीति को लंबे समय तक अनदेखा नहीं कर सके। नतीजतन रूस की आर्थिक मुश्किलें बढ़ती चली गईं। इस पृष्ठभूमि में रूस के लिए भी युद्ध को अनिश्चित काल तक खींचना आसान नहीं रह गया है। दूसरी ओर, यूक्रेन भी लगातार युद्ध से बेहद थक चुका है। जान-माल की भारी क्षति, बुनियादी ढांचे का नष्ट होना और अर्थव्यवस्था का चरमरा जाना उसे शांति की ओर देखने को मजबूर करता है। दिलचस्प बात यह है कि यूरोप या अमेरिका ही नहीं, बल्कि रूस और यूक्रेन दोनों को ही भारत की मध्यस्थ भूमिका से कोई आपत्ति नहीं है। भारत के साथ दोनों देशों के रिश्ते अपेक्षाकृत संतुलित और व्यावहारिक रहे हैं। यही कारण है कि भारत इस संघर्ष मंप एक नई और प्रभावी भूमिका निभा सकता है। ट्रम्प ने पहले भी इज़राइल–ईरान तनाव को कम करने के लिए क़तर की मध्यस्थता का प्रस्ताव खुद रखा था। इसी तरह यूक्रेन को लेकर भी उनके शांति प्रस्ताव सामने आए हैं, भले ही उनमें कुछ संशोधन की ज़रूरत हो। यदि भारत को मध्यस्थ के रूप में स्वीकार किया जाता है, तो रूस के लिए ट्रम्प के प्रस्तावों पर सहमति जताना कहीं ज्यादा सहज हो सकता है। इससे एक ओर ट्रम्प की राजनीतिक इच्छा पूरी होगी, तो दूसरी ओर भारत के लिए अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौतों के नए रास्ते खुल सकते हैं।

शैक्षणिक संस्थानों की स्वायत्तता पर बढ़ता खतरा: लोकतंत्र बचाने के लिए शिक्षा और विचारों की आज़ादी की निर्णायक लड़ाई

-केंद्रीकरण की राजनीति से विश्वविद्यालयों को मुक्त रखना देश के उज्ज्वल और लोकतांत्रिक भविष्य के लिए ज़रूरी

देश की स्वतंत्र संस्थाओं की रक्षा करना किसी एक दल या विचारधारा का नहीं, बल्कि हर उस नागरिक का दायित्व है जो लोकतंत्र, संविधान और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य में भरोसा रखता है। एक जिम्मेदार विपक्ष के तौर पर, बल्कि कहें कि एक जागरूक समाज के तौर पर, यह हमारी साझा जिम्मेदारी बनती है कि हम उन तमाम कोशिशों का विरोध करें जो भारत की स्वतंत्र संस्थाओं को कमजोर करने की दिशा में की जा रही हैं। संसद, न्यायपालिका, चुनाव आयोग, भारतीय रिज़र्व बैंक, जांच एजेंसियां — ये सभी संस्थाएं लोकतंत्र की रीढ़ हैं। इन्हें कमजोर करना न सिर्फ संविधान की आत्मा पर प्रहार है, बल्कि नागरिकों से उनके संरक्षण का अधिकार भी छीनना है। संविधान ने इन संस्थाओं को इसलिए स्वतंत्र रखा है ताकि कार्यपालिका पर अंकुश बना रहे, सत्ता का संतुलन कायम रहे और नागरिक अधिकार सुरक्षित रहें। लेकिन इन सबके बीच एक पहलू ऐसा है, जिस पर अपेक्षाकृत कम लेकिन बेहद गंभीर ध्यान दिया जाना चाहिए — हमारे शैक्षणिक संस्थान। इतिहास गवाह है कि जब-जब किसी सत्ता ने विचारों पर नियंत्रण की कोशिश की, सबसे पहले उसने शिक्षा के केंद्रों को निशाना बनाया। वजह साफ है: अगर युवाओं की सोच को नियंत्रित कर लिया जाए, सवाल पूछने की आदत खत्म कर दी जाए और आलोचनात्मक दृष्टि को कुंद कर दिया जाए, तो किसी भी समाज को मनचाही दिशा में मोड़ा जा सकता है। यही कारण है कि विश्वविद्यालय, शोध संस्थान और उच्च शिक्षा के केंद्र हमेशा से सत्ता के लिए सबसे संवेदनशील क्षेत्र रहे हैं।

शैक्षणिक संस्थान और राष्ट्र निर्माण

भारत में उच्च शिक्षा के संस्थान केवल डिग्री बांटने की फैक्ट्रियां नहीं रहे हैं। वे विचार, नवाचार और सामाजिक परिवर्तन के केंद्र

रहे हैं। हमारे यहां उच्च शिक्षा के संस्थानों को मोटे तौर पर दो श्रेणियों में समझा जा सकता है। पहली श्रेणी उन संस्थानों की है जिन्हें राज्यसत्ता ने एक राष्ट्रीय आवश्यकता के तहत स्थापित किया। दूसरी श्रेणी उन संस्थानों की है, जिन्हें असाधारण दूरदृष्टि वाले व्यक्तियों ने किसी बड़े विचार और सामाजिक उद्देश्य के साथ खड़ा किया। टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर) की परिकल्पना होमी जहांगीर भाभा ने की थी। इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस (आईआईएससी) जेएन टाटा के उस विजन का परिणाम था, जिसमें उन्होंने विज्ञान और अनुसंधान को राष्ट्र के विकास की कुंजी माना। काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) पं. मदन मोहन मालवीय के उस सपने का वास्तविक रूप था, जिसमें आधुनिक शिक्षा और भारतीय मूल्य एक साथ चलते हैं। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) की स्थापना सर सैयद अहमद खां ने आधुनिक और वैज्ञानिक सोच के प्रसार के लिए की थी, ताकि मुस्लिम समाज भी आधुनिक शिक्षा की मुख्यधारा में आ सके। इसी तरह बंगाल की धरती ने भी भारत को ऐसे संस्थान दिए जिन्होंने पूरे देश की बौद्धिक दिशा तय की। रबीन्द्रनाथ ठाकुर का विश्व-भारती विश्वविद्यालय केवल एक विश्वविद्यालय नहीं, बल्कि "जहां विश्व एक नीड़ बने" जैसी वैश्विक और मानवीय सोच का प्रतीक है। प्रोफेसर प्रशांत चंद्र महालनोबिस द्वारा स्थापित भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई) ने न केवल भारत बल्कि दुनिया भर में सांख्यिकी और योजना के क्षेत्र में बुनियादी योगदान दिया। ये सभी संस्थान हमारे शैक्षणिक नवरत्न हैं, जिनकी पहचान उनकी स्वायत्तता, अकादमिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक आंतरिक संरचना से बनी रही है।

पिछले दशक में बढ़ता केंद्रीकरण

दुर्भाग्य से पिछले एक दशक में एक चिंताजनक प्रवृत्ति देखने को मिली है — केंद्र सरकार द्वारा स्वायत्त संस्थानों पर नियंत्रण बढ़ाने की कोशिशें। यह नियंत्रण केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि वैचारिक और संरचनात्मक भी है। इसका सीधा असर संस्थानों की स्वतंत्र सोच, निर्णय प्रक्रिया और अकादमिक वातावरण पर पड़ता है। उदाहरण के तौर पर भारतीय प्रबंधन संस्थानों (आईआईएम) को देखें। इंडियन इंस्टिट्यूट्स ऑफ मैनेजमेंट एक्ट, 2017 के तहत इन संस्थानों को व्यापक स्वायत्तता दी गई थी। उन्हें अपने निदेशक चुनने, पाठ्यक्रम तय करने और प्रशासनिक नीतियां बनाने का अधिकार प्राप्त था। यह माना गया था कि वैश्विक स्तर के प्रबंधन संस्थानों को राजनीतिक हस्तक्षेप से दूर रखना जरूरी है। लेकिन आईआईएम संशोधन कानून, 2023 ने इस स्वायत्तता को काफी हद तक समाप्त कर दिया। अब निदेशकों की नियुक्ति और प्रमुख फैसलों के लिए शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रपति की अनुमति अनिवार्य कर दी गई है। इसका मतलब साफ है — अंतिम नियंत्रण अब केंद्र सरकार के हाथ में है।

विश्व-भारती और शिक्षा का वैचारिक रूपांतरण

विश्व-भारती विश्वविद्यालय का उदाहरण और भी चिंताजनक है। रबीन्द्रनाथ ठाकुर ने इसकी स्थापना खुलेपन, रचनात्मकता, मानवतावाद और विश्व-बंधुत्व के मूल्यों पर की थी। यहां शिक्षा को सिर्फ नौकरी का साधन नहीं, बल्कि इंसान को बेहतर इंसान बनाने का माध्यम माना गया। लेकिन आज उसी विश्व-भारती के नाजुक इकोसिस्टम को राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के एकरूप ढांचे में ढाला जा रहा है। फैकल्टी सदस्यों को राष्ट्रीय कर्मयोगी कार्यक्रम के तहत प्रशासनिक प्रशिक्षण के लिए भेजा जाना, शिक्षकों को नौकरशाही सोच में ढालने की कोशिश जैसा प्रतीत होता है। विश्वविद्यालयों की अपनी विशिष्ट पहचान और कार्यसंस्कृति होती है, जो उन्हें सरकारी प्रशिक्षण मॉड्यूल में फिट नहीं की जा सकती। इससे अकादमिक आज़ादी और रचनात्मक स्वतंत्रता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

सीयूईटी और प्रवेश प्रणाली पर केंद्र का कब्जा

इसी क्रम में कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) का मुद्दा भी बेहद महत्वपूर्ण है। लंबे समय तक भारतीय विश्वविद्यालयों को अपनी प्रवेश प्रक्रिया तय करने की स्वतंत्रता रही है। यह स्वतंत्रता इसलिए जरूरी थी क्योंकि हर विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परंपरा, विषयों की प्रकृति और मूल्यांकन की अपनी पद्धति होती है। लेकिन सीयूईटी के जरिए विश्वविद्यालयों को एक केंद्रीकृत प्रवेश प्रणाली अपनाने के लिए बाध्य किया गया। अब यह निर्णय केंद्र स्तर पर हो रहा है कि कौन प्रवेश करेगा और किस तरह करेगा। इससे विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता कम होने के साथ-साथ शिक्षा का विविधतापूर्ण स्वरूप भी खतरे में है। इसका असर सामाजिक न्याय पर भी पड़ सकता है, क्योंकि स्थानीय परिस्थितियों और जरूरतों को समझने की क्षमता केंद्रीकृत एजेंसियों में नहीं होती।

आईएसआई ड्राफ्ट विधेयक 2025: एक गंभीर खतरा

हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किया गया भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई) ड्राफ्ट विधेयक, 2025 इस पूरी प्रवृत्ति का सबसे गंभीर उदाहरण है। इस विधेयक में आईएसआई को एक पंजीकृत सोसाइटी से बदलकर केंद्र सरकार के पूर्ण नियंत्रण वाला वैधानिक निकाय बनाने का प्रस्ताव रखा गया है। इस प्रस्ताव के तहत आईएसआई की 33 सदस्यीय परिषद — जो एक लोकतांत्रिक संरचना पर आधारित थी — को समाप्त कर दिया जाएगा। इसके स्थान पर एक 11-सदस्यीय संचालन बोर्ड बनेगा, जिसके सभी सदस्य केंद्र सरकार द्वारा नामित होंगे। इससे पहले अकादमिक परिषद में सभी प्रोफेसरों का प्रतिनिधित्व होता था, जो संस्थान की शैक्षणिक दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाते थे।

डिजिटल जासूसी का बढ़ता खतरा और टेक कम्पनियों की जवाबदेही पर सवाल, निजता, लोकतंत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा संकट में

-स्मार्टफोन, ऐप्स और प्लेटफॉर्म नागरिकों के डेटा से कमाई करते हैं, पर कड़ी कार्रवाई से बचे रहते हैं

डिजिटल युग ने हमारे जीवन को जितना आसान किया है, उतना ही असुरक्षित भी बना दिया है। आज हमारी बातचीत, हमारी पसंद-नापसंद, हमारी यात्राएं, हमारी सेहत और यहां तक कि हमारे विचार भी डेटा बनकर कम्पनियों और एजेंसियों के हाथों में पहुंच रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि इस डिजिटल ताक-झांकी पर न तो वैसी राजनीतिक हलचल दिखती है, न वैसी सख्त कार्रवाई, जैसी कभी पारंपरिक जासूसी के मामलों में होती थी। एक समय था जब पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के घर में पुलिस जवानों की तैनाती और कथित जासूसी की खबर ने देश की राजनीति में भूचाल ला दिया था। संसद से लेकर सड़क तक सवाल उठे थे—निजता की सीमा कहां खत्म होती है और सत्ता की दखल कहां से शुरू होती है। लेकिन आज हालत यह है कि स्मार्टफोन, स्मार्ट टीवी, स्मार्ट स्पीकर और तरह-तरह के ऐप्स हमारी जिंदगी में हर वक्त झांक रहे हैं, सुन रहे हैं, रिकॉर्ड कर रहे हैं—फिर भी समाज और शासन, दोनों लगभग खामोश हैं। आज के दौर में जासूसी का तरीका बदल गया है। अब कोई छुपकर तार नहीं जोड़ता, न ही फोन लाइन पर क्लिप लगाया जाता है। जासूसी अब 'यूज़र एग्रीमेंट' और 'प्राइवेसी पॉलिसी' के नाम पर कानूनी शक्ल में हो रही है। सवाल यह है कि जब छोटे-मोटे मामलों में सरकारी गोपनीयता कानून और देशद्रोह तक की धाराएं लग जाती हैं, तब अरबों लोगों के डेटा से खेल रही टेक कम्पनियों पर कार्रवाई क्यों नहीं होती?

डिजिटल निजता: हर तरफ से खतरा

आज का आम नागरिक स्मार्टफोन के बिना जीवन की कल्पना नहीं कर सकता। लेकिन वही स्मार्टफोन हमारी निजता पर सबसे बड़ा खतरा बन चुका है। मोबाइल फोन, ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म हमारे बारे में इतना कुछ जानते हैं, जितना शायद हमारा परिवार भी नहीं जानता। हम किससे बात करते हैं, कितनी देर बात करते हैं, कहां जाते हैं, किस रास्ते से जाते हैं, क्या देखते हैं, क्या खरीदते हैं, किस विचारधारा

के कंटेंट पर रुकते हैं—यह सब डेटा लगातार इकट्ठा किया जा रहा है। इस डेटा का इस्तेमाल केवल सुविधा देने के लिए नहीं, बल्कि मुनाफे, निगरानी, राजनीतिक प्रभाव और रणनीतिक उद्देश्यों के लिए भी किया जा रहा है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इस पूरी व्यवस्था पर न तो प्रभावी पारदर्शिता है, न कड़ी जवाबदेही।

स्मार्टफोन, एलेक्सा और 'हमेशा सुनती' दुनिया

आज घर-घर में वॉइस असिस्टेंट पहुंच चुके हैं। एलेक्सा, गूगल असिस्टेंट और सिरी जैसे सिस्टम दावा करते हैं कि वे केवल तभी सक्रिय होते हैं, जब उन्हें बुलाया जाता है। लेकिन कई रिपोर्ट्स और खुलासे यह बताते हैं कि ये डिवाइस हमारी बातचीत को सुनते ही नहीं, बल्कि रिकॉर्ड भी करते हैं। स्मार्टफोन कम्पनियां और मोबाइल ऐप्स यूज़र के डेटा को कानूनी और गैर-कानूनी, दोनों तरीकों से इकट्ठा करती हैं। अक्सर लंबी-लंबी प्राइवेसी पॉलिसी में ऐसी शर्तें छुपी होती हैं, जिन्हें आम यूज़र पढ़ता भी नहीं और बिना समझे 'एक्सेप्ट' कर लेता है।

इस डेटा में शामिल हैं— लोकेशन हिस्ट्री, कैमरा और माइक्रोफोन तक पहुंच, कॉल लॉग्स, कॉन्टैक्ट लिस्ट, फोटो और वीडियो, हेल्थ से जुड़ी जानकारियां, चैट्स और मैसेज, इन सूचनाओं के आधार पर यूज़र की विस्तृत प्रोफाइल बनाई जाती है। यह प्रोफाइल विज्ञापन, मार्केटिंग और यहां तक कि राजनीतिक प्रचार तक में इस्तेमाल होती है। सवाल यह है कि क्या किसी नागरिक की संपूर्ण डिजिटल पहचान को एक व्यापारिक वस्तु बना देना नैतिक और संवैधानिक है?

प्रिज्म: वैश्विक जासूसी की सच्चाई

एडवर्ड स्नोडेन के खुलासों ने पूरी दुनिया को हिला दिया था। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों द्वारा चलाए गए 'ऑपरेशन प्रिज्म' के तहत फेसबुक, गूगल, एपल, माइक्रोसॉफ्ट, याहू और स्काइप जैसी दिग्गज कम्पनियों के जरिए करोड़ों-अरबों लोगों का डेटा गैर-कानूनी तरीके से इकट्ठा किया गया। भारत के संदर्भ में यह खुलासा और भी गंभीर था। कहा गया कि भारत से जुड़ी 6 अरब से ज्यादा सूचनाएं इस ऑपरेशन के तहत हासिल की गईं। यह सिर्फ व्यक्तियों की नहीं, बल्कि पूरे देश की डिजिटल प्रोफाइलिंग थी। हैरानी की बात यह है कि इतने बड़े खुलासे के बावजूद तत्कालीन यूपीए सरकार ने इन टेक कम्पनियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। बाद में एनडीए सरकार ने चीनी ऐप्स पर प्रतिबंध जरूर लगाया, लेकिन पश्चिमी टेक कम्पनियों की भूमिका पर वही नरमी बनी रही। ऑनलाइन गेमिंग, डिजिटल लोन और फाइनेंशियल सर्विसेज़ की आड़ में चल रहे कई ऐप्स आज भी यूज़र्स का संवेदनशील डेटा चूस रहे हैं। इन पर प्रभावी निगरानी और कार्रवाई का अभाव साफ नजर आता है।

गूगल अर्थ, सैटेलाइट और राष्ट्रीय सुरक्षा

26/11 मुंबई आतंकी हमलों के दौरान पकड़े गए आतंकी अजमल कसाब ने स्वीकार किया था कि हमले की साजिश गूगल अर्थ की मदद से रची गई थी। इसके बावजूद भारत में इस विषय पर बहुत सीमित कदम उठाए गए। अमेरिका, चीन और कई अन्य देश अपने परमाणु ठिकानों, सैन्य अड्डों और संवेदनशील इमारतों के 3-डी व्यू दिखाने पर सख्त प्रतिबंध लगाते हैं। भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, इसरो और भारतीय सेना ने बार-बार चेतावनी दी कि 3-डी मैपिंग और हाई-रेज़ोल्यूशन इमेजरी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। फिर भी गूगल अर्थ पर आज भी कई संवेदनशील ठिकानों को देखा जा सकता है। अब अगर एलन मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट कम्पनी को भारत में व्यापक अनुमति दी जाती है, तो खासकर म्यांमार, चीन और पाकिस्तान से लगी सीमाओं पर जासूसी का खतरा और बढ़ सकता है। यह सवाल बेहद गंभीर है—क्या तकनीकी सुविधा के नाम पर हम अपनी सुरक्षा से समझौता कर रहे हैं?

डिजिटल अरेस्ट से बढ़ता संकट: बुजुर्गों की सुरक्षा, तकनीकी समझ और स्पिरिचुअल अरेस्ट की आज के दौर में ज़रूरत

-डिजिटल ठगी से बचाव के लिए प्रशिक्षण, जागरूकता और आध्यात्मिक समझ आज सबसे कारगर उपाय हैं

आज का दौर गति, तकनीक और स्क्रीन का दौर है। मोबाइल फोन हमारी जेब में नहीं, हमारी नसों में बस चुका है। कभी जो चीज़ें समय काटने का साधन थीं, आज वही हमारे जीवन की दिशा तय कर रही हैं। सबसे दुखद तथ्य यह है कि जिस डिजिटल दुनिया को युवा पीढ़ी सहजता से समझती है, वही दुनिया हमारे बड़े-बूढ़ों के लिए संकट का बड़ा कारण बनती जा रही है। डिजिटल जीवन अब टाइम पास नहीं रहा। यह एक ऐसा जाल बन चुका है, जिसमें फंसना आसान है और बाहर निकलना कठिन। खास तौर पर बुजुर्गों के लिए, जिनकी सरलता, भरोसा और तकनीकी अनुभव की कमी उन्हें ठगों का आसान शिकार बना देती है।

डिजिटल अरेस्ट: भय का नया हथियार

पिछले कुछ वर्षों में "डिजिटल अरेस्ट" शब्द तेजी से चर्चा में आया है। फोन कॉल, वीडियो कॉल, फर्जी अफसर, नकली नोटिस और डर का कारोबार—यही डिजिटल अरेस्ट है। आंकड़े बताते हैं कि अब तक 8 हजार करोड़ रुपये से अधिक की ठगी सिर्फ डिजिटल अरेस्ट के ज़रिए हो चुकी है। इसमें सबसे ज़्यादा शिकार हमारे बड़े-बूढ़े बने हैं। कहीं पुलिस अधिकारी बनकर डराया जाता है, कहीं सीबीआई का नाम लेकर धमकी दी जाती है, तो कहीं केवाईसी, बैंक खाता और टैक्स के नाम पर लोगों को मानसिक तौर पर "गिरफ्तार" कर लिया जाता है। डर के मारे बुजुर्ग अपनी जमा-पूंजी तक लुटा बैठते हैं।

पुरानी कहावत और आज की डिजिटल दुनिया

एक पुरानी कहावत है— वेश्या के कोठे पर नाच-गाना देखने वाले जानते थे कि यह अपराध का अड्डा है, लेकिन जब तक अपराध उन पर नहीं आता, वे बेखौफ रहते थे। जिस दिन अपराध घटा, उसी दिन शौक की कीमत समझ आई। आज डिजिटल दुनिया बिल्कुल वैसी ही हो गई है। हम जानते हैं कि यहां धोखा है, अपराध है, फरेब है—लेकिन जब तक हम स्वयं शिकार नहीं होते, तब तक इसे गंभीरता से नहीं लेते। फर्क बस इतना है कि अब कोठे पर जाना नहीं पड़ता, अपराध सीधे हमारी जेब में रखे मोबाइल तक आ जाता है।

बुजुर्ग ही क्यों बनते हैं शिकार?

इस सवाल का जवाब बहुत सीधा है— बुजुर्ग भरोसेमंद होते हैं, वे जल्दी डर जाते हैं, तकनीकी भाषा से अपरिचित होते हैं, सरकारी नाम, वर्दी और कानून से प्रभावित होते हैं और सबसे बड़ा कारण— उन्हें यह एहसास ही नहीं कि डिजिटल दुनिया में हर आवाज़ सच नहीं होती, युवा पीढ़ी कई बार स्कैम को पहचान लेती है, लेकिन बुजुर्ग मानसिक दबाव में सही-गलत का फर्क खो बैठते हैं।

समय की मांग: डिजिटल ट्रेनिंग, वो भी व्यवस्थित

आज स्थिति यह बन गई है कि जैसे बच्चों को स्कूल में पढ़ाया जाता है, वैसे ही बड़े-बूढ़ों को भी डिजिटल साक्षरता का प्रशिक्षण देना होगा। यह प्रशिक्षण सिर्फ मोबाइल चलाना सिखाने का नहीं, बल्कि— फर्जी कॉल कैसे पहचानें, किस स्थिति में फोन काट देना सही है, बैंक या पुलिस फोन पर क्या-क्या कभी नहीं पूछती, वीडियो कॉल पर डराना अपराध है, किसी भी दबाव में तुरंत पैसा ट्रांसफर नहीं करना, अगर यह समझ नहीं दी गई, तो बुजुर्ग लगातार ठगे जाते रहेंगे।

लेकिन समाधान सिर्फ तकनीक नहीं है

यहां एक बड़ा सवाल खड़ा होता है— क्या हर समस्या का हल तकनीक से ही आएगा? उत्तर है— नहीं। डिजिटल अरेस्ट के पहले अगर स्पिरिचुअल अरेस्ट हो जाए, तो शायद ऐसी ठगी का असर ही न पड़े।

स्पिरिचुअल अरेस्ट क्या है?

स्पिरिचुअल अरेस्ट का मतलब किसी का बंधन नहीं, बल्कि मन का ठहराव है। जैसे डिजिटल अरेस्ट डर और दबाव से इंसान को जकड़ लेता है, वैसे ही स्पिरिचुअल अरेस्ट शांति और चेतना से मन को पकड़ लेता है। जब मन भीतर की दुनिया में उतरता है, तो बाहरी शोर कमजोर पड़ जाता है। डर तभी काम करता है, जब अंदर खालीपन हो। जहां भीतर ईश्वर, आत्मा और शांति हो—वहां डर टिक नहीं पाता।

उम्र बढ़ने के साथ भीतर उतरने की जरूरत

हमारे समाज में एक अजीब सा भ्रम है कि आध्यात्मिकता रिटायरमेंट का शौक है। जब सब कुछ खत्म हो जाए, तब भगवान को याद करें। हकीकत इसके उलट है। जैसे-जैसे उम्र बढ़े— मन को और स्थिर होना चाहिए, इच्छाओं की दौड़ धीमी होनी चाहिए और आत्मा से संपर्क गहरा होना चाहिए, स्पिरिचुअल अरेस्ट का अर्थ है— आंख बंद कर, भीतर उतरना और अपनी आत्मा को स्पर्श करना। इसके लिए बड़ी पूजा, भारी ग्रंथ या कठिन साधना जरूरी नहीं।

बस रोज़ कुछ पल शांति में बैठना, सांस को देखना और अपने भीतर उतरना पर्याप्त है।

स्पिरिचुअल अरेस्ट देगा सुख, डिजिटल देगा दुःख

डिजिटल अरेस्ट इंसान को डराता है— आप गिरफ्तार हो सकते हैं, आपका खाता बंद हो जाएगा, आपको जेल हो सकती है, स्पिरिचुअल अरेस्ट इंसान को सिखाता है— "मैं शांत हूं, मैं सुरक्षित हूं, मैं भीतर से मजबूत हूं।" जब मन मजबूत होता है, तो कोई अनजान कॉल, कोई नकली अधिकारी, कोई धमकी असर नहीं करती।

छोटा खिलौना, बड़ा नुकसान

विडंबना यह है कि इंसान के हाथ में जो "छोटा सा खिलौना" आया है—मोबाइल— वह जितना मनोरंजन देता है, उससे कहीं ज़्यादा नुकसान कर रहा है। बड़े-बूढ़े इसे दोस्त समझ बैठे हैं, लेकिन दोस्त कब साजिशकर्ता बन जाए—पता ही नहीं चलता। अगर यही मोबाइल बिना दिशा के रहा, तो दुःख देगा। और अगर विवेक, प्रशिक्षण और आध्यात्मिक समझ के साथ रहा—तो सहायक बन सकता है।

समाज की जिम्मेदारी

यह सिर्फ सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है। यह परिवार, समाज और जागरूक नागरिकों की भी जिम्मेदारी है— बच्चों को अपने माता-पिता को समझाना होगा मोहल्लों में डिजिटल जागरूकता शिविर लगाने होंगे धार्मिक और सामाजिक मंचों से चेतना जगानी होगी और सबसे जरूरी—डर नहीं, समझ पैदा करनी होगी। आज सवाल यह नहीं है कि डिजिटल दुनिया को छोड़ा जाए या नहीं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में महिलाओं को मिल रहा सुरक्षित एवं भयमुक्त राजस्थान

- पीड़ित महिलाओं को एक क्लिक पर मिल रही पुलिस मदद

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं को सुरक्षित एवं भयमुक्त वातावरण देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश सरकार महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मानते हुए कार्य कर रही है। इसी क्रम में सरकार द्वारा शुरू किया गया राजकॉप सिटिजन ऐप महिलाओं को तुरंत सहायता पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहा है। ऐप के माध्यम से पीडित महिलाओं को 'ऑन द स्पॉट' त्वरित सहायता मिल रही है। इस ऐप की खासियत यह है कि पुलिस के पीड़िता तक पहुंचने का औसत रेस्पॉन्स टाइम काफी कम है। राज्य सरकार द्वारा की गई इस पहल से जहां महिला अपराधों में कमी आई है, वहीं आमजन तक कानून व्यवस्था की सुलभ पहुंच सुनिश्चित हुई है।

कालिका पेट्रोलिंग यूनिट के गठन से महिला छेड़छाड़ के प्रकरणों में आई कमी—

राज्य सरकार इस आधी आबादी की सुरक्षा एवं सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य में चयनित पुलिस थानों में महिला सुरक्षा एवं सलाह केन्द्रों का संचालन किया जा रहा है। इन केन्द्रों पर पीडित महिलाओं को आवश्यक सहायता व परामर्श प्रदान किया जा रहा है। इसी तरह राज्य में सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के साथ होने वाली छेड़छाड़ की घटनाओं की रोकथाम के लिए राज्य में 500 'कालिका पेट्रोलिंग यूनिट' के गठन किया गया है। महिला हेल्पलाईन-181 के

माध्यम से भी महिलाओं को आवश्यक तथा त्वरित सहायता प्रदान की जा रही है। महिला सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा प्रत्येक जिले में एंटी रोमियो स्कवॉड का गठन किया गया है। साथ ही, 1 हजार 24 पुलिस थानों में महिला डेस्क की स्थापना कर महिला पुलिसकर्मी की नियुक्ति, वूमेन हेल्प डेस्क, रानी लक्ष्मी बाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के तहत बालिकाओं को सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षण तथा लाडली सुरक्षा योजना के तहत सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे की स्थापना जैसे कार्य किए गए हैं। पुलिस द्वारा तकनीकी नवाचारों का भी उपयोग किया जा रहा है, जिससे साइबर अपराधों में भी उल्लेखनीय कमी आई है।

29 हजार 700 से अधिक पीड़िताओं तक पहुंची मदद—

राजकॉप सिटिजन ऐप को उपयोग में बहुत ही सरल बनाया गया है। ऐप के माध्यम से महिलाओं को आपातकालीन एवं गैर आपातकालीन सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इस ऐप पर जाकर जब 'नीड हेल्प' बटन पर क्लिक किया जाता है तो उसका एक नोटिफिकेशन 1090 के कंट्रोलरूम में आ जाता है। कंट्रोलरूम द्वारा पीडिता को फोन या मैसेज कर समस्या की जानकारी लेकर तथा पीड़िता की लाइव लोकेशन ट्रेस कर तुरंत पुलिस मदद पहुंचाई जाती है। यह ऐप महिला छेड़छाड़ एवं अन्य महिला अपराध के प्रकरणों में मददगार साबित हो रही है। इस ऐप के माध्यम से अब तक 29 हजार 742 प्रकरण आए हैं, जिनमें से 29 हजार 737 मामलों का निस्तारण किया जा चुका है। राजकॉप सिटिजन ऐप कानून व्यवस्था बनाए रखने में तकनीक की उपयोगिता का एक अच्छा उदाहरण है, जिसमें पीड़िता को आपातकाल में कहीं फोन या मैसेज कर सम्पर्क करने की आवश्यकता नहीं है। केवल एक क्लिक पर ही पुलिस तुरन्त घटना स्थल पर पहुंच रही है। महिलाओं द्वारा इस ऐप का अधिक से अधिक उपयोग किया जा रहा है, जिससे प्रदेश में महिला सुरक्षा को नए आयाम मिले हैं।

जामिया तैयब एजुकेशन सोसाइटी द्वारा लगाए गए पक्षियों के लिए सर्दी के घौंसले

जयपुर (रॉयल पत्रिका) । जयपुर स्थित जामिया तैयबा एजुकेशन सोसाइटी द्वारा शुक्रवार 05 दिसंबर को जयपुर शहर के कई धार्मिक स्थानों पर सर्दी से बचाव के लिए पक्षियों के लिए घौंसले लगाए गए जैसे-जैसे सर्दी का मौसम बदल रहा है और कई पक्षी प्रजातियां घौंसले बनाने (Nesting.season)के लिए तैयार हो रहे हैं । यह समय है कि हम सब मिलकर इन नन्हे जीवों के घरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें । पक्षियों के घौंसले केवल टहनियां और पत्तियों के ढेर नहीं, बल्कि उनके अंडे सेहने, बच्चे को पालने और उन्हें शिकारी से बचाने का एक सुरक्षित ठिकाना होते हैं । जामिया तैयब एजुकेशन सोसाइटी की सभी से गुज़ारिश है कि अपने-अपने घरों की बालकनी या बगीचों में पक्षियों के लिए सुरक्षित स्थान जैसे छोटे कृत्रिम घौंसले या पानी के बर्तन प्रदान करें। पक्षियों के लिए घौंसले लगाते समय इस संस्था जुड़े कारी मोहम्मद इसहाक, डॉ. शाहज़ेब, निसार भाई, फरमान, अख्तर, साकिब, मेहरूननिशा, यासमीन, शर्मिला आदि मौजूद रहे।

कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा कृषकों को पहुंचाएं- आयुक्त कृषि

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। कृषि आयुक्त सुश्री चिन्मयी गोपाल ने विभागीय योजनाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को निर्देशित किया है कि केंद्र परिवर्तित योजनाओं और राज्य बजट घोषणाओं को जल्द से जल्द पूरा करते हुए योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा पात्र किसानों को दिया जाए जिससे प्रदेश का किसान आर्थिक रूप से मजबूत एवं खुशहाल बन सके। सुश्री चिन्मयी गोपाल ने शुक्रवार को पंत कृषि भवन में वी.सी. द्वारा कृषि विभाग की योजनाओं की प्रगति के संबंध में बैठक ली तथा अधिकारियों को फील्ड में जाकर योजनाओं की जानकारी किसानों को देने व बजट घोषणाओं जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिये जिससे ग्रामीण क्षेत्र के किसानों को राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने बैठक में फार्म पोण्ड, डिग्गी, सिंचाई पाइप लाईन, कृषि यंत्र, तारबंदी, गौवरर्धन जैविक उर्वरक योजना सहित केंद्रीय प्रवर्तित योजनाओं की जिलेवार वित्तीय प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने सभी जिलों में उर्वरक आपूर्ति, प्रबंधन, वितरण, प्रधानमंत्री धन धान्य योजना, राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन की प्रगति की भी समीक्षा की। कृषि आयुक्त ने कहा कि रबी फसल के लिए यूरिया व डीएपी पर्याप्त मात्रा में है। उन्होंने उर्वरकों का वितरण पूर्ण पारदर्शिता के साथ करने, उर्वरकों की जमाखोरी और कालाबाजारी पर विभागीय अधिकारी मुस्तैदी से नजर रखने एवं टैगिंग करने वाले उर्वरक विक्रेताओं व विनिर्माओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने मिलावट, जमाखारी और कालाबाजारी में लिप्त जाये जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त निदेशक, कृषि (आदान) गोपाल लाल जाट, वित्तीय सलाहकार, कृषि होशियार सिंह, संयुक्त निदेशक, कृषि (ज.उ.प्र.) खेमराज शर्मा, संयुक्त निदेशक, कृषि (शस्य) व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे और अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) खण्ड व जिलों से संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) जिला परिषद वी.सी. के माध्यम से जुड़े।

राज्यपाल बागडे ने कृषि विश्वविद्यालय की समीक्षा बैठक ली

-कृषि शिक्षा का उद्देश्य खेती को विज्ञान, तकनीक और नवाचार से जोड़कर किसान और राष्ट्र-दोनों को मजबूत करना है -राज्यपाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल एवं कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को विश्वविद्यालय के अधिकारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित बैठक में राज्यपाल ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक प्रगति, परिणामोन्मुख अनुसंधान, कृषि तकनीकी नवाचार, परीक्षा प्रणाली, सामुदायिक सेवाएँ तथा छात्र कल्याण से संबंधित विषयों की विस्तृत समीक्षा की। राज्यपाल बागडे ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय की सफलता तभी सार्थक होगी जब यहाँ अर्जित विकसित ज्ञान, शोध और नवाचार सीधे खेत–खलिहान तथा किसान तक पहुँचें। उन्होंने कृषि शिक्षा को अधिक व्यावहारिक, परिणामोन्मुख और स्थानीय कृषि आवश्यकताओं से जुड़ा बनाने पर बल दिया। राज्यपाल ने जैविक एवं प्राकृतिक खेती, जल–संरक्षण आधारित कृषि तथा स्थानीय फसल प्रजातियों के संवर्धन को प्राथमिकता देने की आवश्यकता व्यक्त की। उन्होंने नियमित ऑडिट व्यवस्था सुदृढ़ करने, विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए पृथक व्यायामशाला, खेल मैदान, स्विमिंग पूल और छात्रावासों में स्वच्छता व पौष्टिक भोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने वर्षा जल संरक्षण को विश्वविद्यालय की विशेष पहचान बनाने की सलाह भी दी। कुलगुरु डॉ. विरेन्द्र सिंह जैतावत ने विश्वविद्यालय के शैक्षणिक कार्यक्रमों, प्रवेश की स्थिति, परीक्षा सुधार, शोध परियोजनाओं, सामुदायिक गतिविधियों और विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया और विश्वविद्यालय के समक्ष उपस्थित चुनौतियों से भी राज्यपाल को अवगत कराया।

कृषि–वानिकी परियोजना प्रक्षेत्र का किया भ्रमण—

समीक्षा बैठक के पश्चात राज्यपाल बागडे ने कृषि–वानिकी परियोजना प्रक्षेत्र का भ्रमण किया। परियोजना अधिकारी डॉ. कृष्णा साहरण ने जैविक एवं प्राकृतिक पद्धति से विकसित किए जा रहे एकीकृत कृषि–वानिकी मॉडलों की जानकारी दी। राज्यपाल ने इन प्रयासों की सराहना करते हुए पपीता, केला, आम सहित अंगूर के पौधों को भी किसानों तक पहुंचाने का सुझाव दिया जिससे वे विविध फल उत्पादन के माध्यम से अधिक आय अर्जित कर सकें। राज्यपाल ने मृदा दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा मिट्टी एवं प्रकृति से प्राप्त सामग्री से निर्मित कलाकृतियों, रंगोली तथा पोस्टर्स का अवलोकन कर उनकी प्रशंसा की। इस अवसर पर राज्यपाल बागडे ने विश्वविद्यालय परिसर में अशोक का पौधा रोपित किया तथा विद्यार्थियों और विश्वविद्यालय परिवार से पर्यावरण संरक्षण को सतत् संस्थागत पहचान बनाने का आह्वान किया।

फर्जी MLA स्टीकर और ब्लैक फिल्म लगी थार जब्त, चालक के खिलाफ मामला दर्ज

जयपुर। पुलिस थाना शिप्रापथ ने ब्लैक फिल्म लगी गाड़ियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए एक मोडिफाइड थार गाड़ी को जब्त किया है। गाड़ी पर राजस्थान विधानसभा में वाहन प्रवेश का फर्जी MLA स्टीकर लगा पाया गया। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षिराज (IPS) के निर्देशों पर चल रहे अभियान के क्रम में सहायक पुलिस आयुक्त मानसरोवर आदित्य काकड़े के दिशा-निर्देशन में थानाधिकारी शिप्रापथ महेन्द्र सिंह यादव ने यह कार्रवाई की।

कार्रवाई का विवरण

दिनांक 5 दिसंबर 2025 को अरावली मार्ग पर राजस्थान आवासन मंडल की खाली भूमि के पास खड़ी एक थार (RJ 45 CY 4700) पर शक के आधार पर जांच की गई। वाहन के शीशे पर 'सोलहवीं राजस्थान विधानसभा सदस्य (MLA) वाहन प्रवेश पत्र' का स्टीकर लगा हुआ था। पूछताछ में चालक ने अपना नाम देव प्रताप सिंह (32) पुत्र निलेन्द्र सिंह चौहान, निवासी 90/72 पटेल मार्ग, मानसरोवर, जयपुर बताया। स्टीकर का बारीकी से परीक्षण करने पर वाहन संख्या में भिन्नता पाई गई—वाहन पर पंजीकरण RJ 45 CY 4700 था, जबकि स्टीकर पर RJ-45-CH-4700 अंकित था। जब चालक से स्वयं या परिवार के किसी सदस्य के विधायक होने के संबंध में पूछा गया, तो उसने किसी के भी विधायक न होने की बात स्वीकार की। आरोपी ने यह भी माना कि उसने समाज में रौब जमाने और टोल टैक्स से बचने के उद्देश्य से फर्जी MLA स्टीकर लगाया था।

कानूनी कार्रवाई

पुलिस ने वाहन और फर्जी स्टीकर को अलग-अलग जप्त कर लिया। इस संबंध में थाना शिप्रापथ में प्रकरण संख्या 759/2025 दर्ज कर धारा 319(2), 347(2), 348 बीएनएस तथा 179(1) मोटर वाहन अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया गया है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि VIP/MLA स्टीकर और ब्लैक फिल्म के दुरुपयोग पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

शिप्रापथ थाना पुलिस की ऑपरेशन "AAG" में बड़ी कार्रवाई, अवैध देशी पिस्टल के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर दक्षिण पुलिस की ओर से अवैध हथियार रखने और गंभीर वारदातों में शामिल बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन "AAG" के तहत थाना शिप्रापथ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने एक आरोपी को अवैध देशी पिस्टल के साथ गिरफ्तार किया है, जबकि घटना में प्रयुक्त टाटा हेरियर कार को भी जब्त किया गया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षिराज, आईपीएस के निर्देशानुसार समस्त थानाधिकारियों को प्रभावी कार्रवाई के आदेश जारी किए गए थे। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ललित शर्मा के सुपरविजन और सहायक पुलिस आयुक्त मानसरोवर आदित्य काकड़े के निर्देशन में थानाधिकारी शिप्रापथ महेन्द्र सिंह यादव (पु.नि.) के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस के अनुसार 4 दिसंबर 2025 को गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि एक सफेद रंग की टाटा हेरियर कार, जिसके रजिस्ट्रेशन नंबर के अंतिम अंक 4123 हैं, शिप्रापथ रोड से बी-2 बाईपास की ओर जा रही है और उसमें सवार व्यक्ति के पास अवैध देशी पिस्टल है। सूचना पर मॉर्डन स्कूल के सामने रोड पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की गई। इसी दौरान सफेद रंग की टाटा हेरियर कार नंबर RJ09CD4123 को रोककर जांच की गई। कार चालक ने अपना नाम अभय जैन पुत्र जवाहर लाल जैन, उम्र 37 वर्ष, निवासी सैंगवा हाउसिंग बोर्ड, थाना सदर, जिला चित्तौड़गढ़ (वर्तमान पता सुखीजा विहार, थाना करणी विहार, जयपुर) बताया। नाम-पता पूछने के दौरान युवक की गतिविधियां संदिग्ध लगीं, जिस पर पुलिस ने उसकी तलाशी ली। तलाशी में उसकी पैंट की जेब से एक अवैध देशी पिस्टल बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी हथियार रखने संबंधी कोई लाइसेंस अथवा अनुज्ञापत्र प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने अवैध पिस्टल को जब्त कर आरोपी के खिलाफ थाना शिप्रापथ में मुकदमा संख्या 758/2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया है। इस कार्रवाई में कांस्टेबल चालक राकेश धायल की भूमिका अहम रही। पुलिस आरोपी से आगे पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि अवैध हथियार कहां से प्राप्त किया गया और इसका इस्तेमाल किन उद्देश्यों के लिए किया जाना था।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई

-1 लाख 13 हजार रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 11 केन्टर सामान जब्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में शुक्रवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में अजमेरी गेट, एस.एम.एस. नारायण सिंह सर्किल, गांधी नगर, दुर्गापुरा, शिवानन्द मार्ग मालवीय नगर, बीटु बाईपास, द्वारका अपार्टमेन्ट, शिप्रापथ मानसरोवर मेट्रो स्टेशन के आस-पास, बड़ी चौपड़, हवामहल रोड, चांदी की टकसाल, जौहरी बाजार, सांगानेरी गेट, रामगंज बाजार, रामगंज, कुंडा, मानबाग चौराहा, दिल्ली रोड स्थित हनुमान मंदिर, श्मशान घाट के पास गली नंबर 3, सूरजपोल बाजार, शास्त्री नगर, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़ और कांति नगर आदि स्थलों से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 1 लाख 13 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 11 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में अजमेरी गेट, एस.एम.एस. नारायण सिंह सर्किल, गांधी नगर, दुर्गापुरा, शिवानन्द मार्ग मालवीय नगर, बीटु बाईपास, द्वारका अपार्टमेन्ट, शिप्रापथ मानसरोवर मेट्रो स्टेशन के आस-पास, बड़ी चौपड़, हवामहल रोड, चांदी की टकसाल, जौहरी बाजार, सांगानेरी गेट, रामगंज बाजार, रामगंज, कुंडा, मानबाग चौराहा, दिल्ली रोड स्थित हनुमान मंदिर, श्मशान घाट के पास गली नंबर 3, सूरजपोल बाजार, शास्त्री नगर, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़ और कांति नगर आदि स्थलों से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 11 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 1 लाख 13 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में नारी सशक्तिकरण को नई उड़ान - किरण शर्मा

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र की शाहपुरा विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की श्रीमती किरण शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में सरकार द्वारा लगातार प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री का मानना है कि "आधी आबादी" की भागीदारी के बिना विकसित राजस्थान की कल्पना अधूरी है, इसी सोच के साथ सरकार ने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक पहल की है। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, मुख्यमंत्री रसोई गैस सब्सिडी योजना, मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना, मातृत्व पोषण योजना, निःशुल्क सैनिटरी नैपकिन वितरण, गर्भवती महिलाओं को सोनोग्राफी कूपन जैसे कदमों से महिलाओं को सीधा लाभ मिला है। राज्य सरकार ने बालिकाओं को उच्च शिक्षा से जोडने के लिए गार्गी पुरस्कार, कालीबाई स्कूटी योजना, देवनारायण छात्र स्कूटी योजना जैसी योजनाएं चलाई है, जिनके अंतर्गत अब तक 39 हजार से अधिक स्कूटियां वितरित की गई है। सरकारी महाविद्यालयों में छात्राओं के लिए ३० प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण लागू किया गया है। महिला सुरक्षा के लिए 181 हेल्पलाइन, 500 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट और महिला सलाह केंद्र जैसे ठोस प्रयास किए गए है। महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए महिला निधि के तहत 31,053 स्वयं सहायता समूहों को ऋण दिया गया। 'लखपति दीदी' योजना में 18.25 लाख महिलाओं को प्रशिक्षण मिला, जिनमें से 11 लाख से अधिक महिलाएं आत्मनिर्भर बन चुकी है। ड्रोन प्रशिक्षण, अमृता हाट, वन धन विकास केंद्र जैसे नवाचारों से ग्रामीण व जनजातीय क्षेत्रों की महिलाएं भी विकास की मुख्यधारा से जुड़ रही है।

चिकित्सा शिक्षा सचिव ने किया आरयूएचएस अस्पताल का निरीक्षण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। रोगियों को बेहतरीन चिकित्सा सुविधाएं सुगमता एवं सुलभता के साथ उपलब्ध करवाने तथा सवाई मानसिंह अस्पताल का मरीज भार कम करने के लिए आरयूएचएस अस्पताल में मानव संसाधन की कमी दूर की जाएगी। सुपर स्पेशलिटी सेवाओं के विस्तार की दिशा में कार्डियो, न्यूरो, यूरोलॉजी एवं गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी के लिए डेडीकेटेड सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक जल्द प्रांरभ किए जाएंगे। साथ ही, यहां उपलब्ध इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं सुविधाओं का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि रोगियों को शहर में उपचार के लिए एक और बेहतर विकल्प मिले। चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने शुक्रवार को आरयूएचएस अस्पताल के निरीक्षण के उपरांत उच्च स्तरीय बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल में आउटडोर एवं इनडोर में रोगियों की संख्या बढ़ाने तथा उपलब्ध सुविधाओं का पूरा उपयोग करने के लिए एक्शन प्लान जल्द प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्पताल में निर्धारित ड्यूटी के अनुसार चिकित्सक एवं अन्य स्टाफ पूरे समय उपस्थित रहें। उन्होंने इसके लिए बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रारंभ करने के भी निर्देश दिए। श्रीमती राठौड़ ने कहा कि अस्पताल में सुपर स्पेशलिटी सुविधाओं के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक मानव संसाधन उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल में सुविधाओं के विस्तार के लिए आवश्यकतानुसार सीनियर रेजीडेंट की सेवाएं ली जाएं। उन्होंने मेडिकल कॉलेज में कक्षाओं के नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण संचालन पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इसे चिकित्सा शिक्षा की दिशा में एक उच्च स्तरीय संस्थान के रूप में विकसित कर रही है, इसलिए यहां शोध, अनुसंधान एवं शिक्षण कार्यों का स्तर और बेहतर बनाया जाए। इससे पहले प्रमुख शासन सचिव ने अस्पताल परिसर में जांच, दवा एवं उपचार व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने आउटडोर, आपातकालीन इकाई, आईसीयू एवं सामान्य वार्ड सहित अन्य सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के काउंटर एवं रोगी पंजीकरण केंद्र पर जाकर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। साथ ही, निर्देश दिए कि राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों में पात्र रोगियों को इनका पूरा लाभ दिया जाए। किसी भी रोगी को योजना का लाभ लेने में किसी तरह की परेशानी नहीं हो। पूरी संवेदनशीलता के साथ उपचार उपलब्ध करवाया जाए।

दिल्ली में 14 दिसंबर को होने वाली "वोट चोर–गद्दी छोड़ो" महारैली के लिए कांग्रेस ने बनाई रणनीति

-50 हजार कार्यकर्ता जुटाने का लक्ष्य

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। दिल्ली में 14 दिसम्बर, 2025 को आयोजित होने वाली वोट चोर-गद्दी छोड़ महारैली की तैयारी हेतु आज राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय, जयपुर पर प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कांग्रेस विधायकों एवं जिला प्रभारियों, प्रकोष्ठ/विभागों के प्रदेशाध्यक्षों की महत्वपूर्ण बैठक लेकर रैली में राजस्थान से सर्वाधिक संख्या में कांग्रेस नेता शामिल हो इस हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किए तथा कार्यकर्ताओं के आवागमन के लिए बैठक में रणनीति तैयार की गई। बैठक में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी सहित कांग्रेस विधायक एवं जिला प्रभारी पदाधिकारी शामिल रहे, शेष विधायकगण एवं जिला प्रभारियों की बैठक कल प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय जयपुर पर प्रातः 11.00 बजे आयोजित होगी। बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि सभी विधानसभा क्षेत्रों से रैली में शामिल होने के लिए अधिक से अधिक संख्या में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का दिल्ली पहुंचना आवश्यक है। उन्होंने सभी को निर्देशित किया है कि आगामी 03 दिवस में अपने-अपने विधानसभा क्षेत्रों से महारैली में भाग लेने हेतु दिल्ली जाने वाले कार्यकर्ताओं की सूची मय फोन नम्बर तथा आवागमन हेतु वाहनों के रजिस्ट्रेशन नम्बर प्रदेश कांग्रेस वॉर रूम को प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया है। डोटासरा ने कहा कि रैली में राजस्थान से 50 हजार कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता शामिल होंगे और सर्वाधिक संख्या राजस्थान से शामिल होने वाले लोगों की रहेगी। दिल्ली के समीपवर्ती जिलों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी दोपहर 12 बजे तक 14 दिसम्बर, 2025 को दिल्ली पहुंच जाएंगे, मण्डल एवं ब्लॉक अध्यक्ष अपने-अपने क्षेत्रों से वाहनों में लेकर कार्यकर्ताओं के साथ दिल्ली पहुंचेंगे और सभी मण्डलों एवं ब्लॉकों से जो वाहन दिल्ली जाएंगे उनका पंजीयन प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा दिल्ली के मार्ग में एक निर्धारित स्थान पर चैक पोस्ट बनाकर किया जाएगा। बैठक को नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सी. पी. जोशी ने भी सम्बोधित किया तथा विभाग एवं प्रकोष्ठों के साथ ही उपस्थित अग्रिम संगठन के प्रदेशाध्यक्षों ने भी अपने विचार साझा किए।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

"आत्मनिर्भर भारत — भारतीय जनता पार्टी युवा सम्मेलन" की तैयारीयां जोरों पर

-युवा सम्मेलन के निमित्त मंडल संयोजक घोषित कर जिम्मेदारियां सौंपी

बारां (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा आयोजित होने वाले "आत्मनिर्भर भारत युवा सम्मेलन" की तैयारियों को लेकर शुक्रवार 05 दिसंबर 2025 को भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश सिकरवार के निर्देश पर "युवा सम्मेलन" के लिए किशनगंज मे स्थित भारत माता कॉलेज का चयन किया गया, भाजपा नेता डॉ. मजीद मलिक कमांडो, मुकेश राठौर, जिला संयोजक मुकेश केरवालिया, जिला सह प्रवक्ता योगेश राजोरा, कार्यक्रम सह संयोजक पवन चौधरी, डॉ. महेश यादव, आई टी संयोजक रोहित नायक, विधानसभा संयोजक ऋषि पाल सिंह विजेंद्र नागर,नीरज नायक आदि ने कार्यक्रम की रूपरेखा, युवा सहभागिता, व्यवस्थाओं की समीक्षा एवं संगठनात्मक मजबूती पर विस्तृत चर्चा की।

वही मंडल संयोजक घोषित कर आवश्यक दायित्व सौंपे गए तथा सम्मेलन को सफल एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया गया कार्यक्रम के निमित्त मंडल संयोजक, सह संयोजक क्रमश बारां शहर मे हेमंत मीणा रजपाली, धीरेंद्र नागर, बारां देहात सतीश गोढ़, जसवंत मीणा, अटरु मंडल महिपाल नागर, धीरू शर्मा, कवाई मंडल आशीष शर्मा, सुनील वैष्णव, गऊघाट मंडल दिलीप अड़सेला, आर्यन मेहता, अंता नगर भूपेंद्र राठौर, अंशुल नागर, अंता देहात कुलदीप सुमन, अंकुर नागर, सीसवाली मंडल रोहित गुर्जर, हरिओम बंजारा, मांगरोल नगर भारत चौरसिया, देवेंद्र सुमन, मांगरोल देहात विक्रम नागर, मानक गुर्जर, कोयला मंडल श्याम नागर, सिद्धार्थ चौधरी, किशनगंज मंडल मुकेश बंजारा, राकेश नागर, भंवरगढ़ संजीव बनर्जी, उम्मेद मीणा समरानिया मंडल अशोक मेहता, अरविंद राठौर, शाहबाद मंडल दुष्यंत सिंह सिकरवार, देवेंद्र सिंह सोलंकी, छबड़ा नगर गौरव सेन, कमल यादव, सेमली मंडल आशीष गालव, मनीष मीणा, बापचा मंडल केदार सुमन, चेतन लोधा, छीपाबड़ौद देवेंद्र गुर्जर, ओमेंद्र सिंह हरनावदाशाहजी मंडल मे कमलेश सेन को संयोजक भगवान सिंह लववंशी को सह संयोजक बनाया इसी प्रकार मंच व्यवस्था की सिद्धार्थ शर्मा, विजेंद्र नागर, हँसु गुर्जर, भगवती बेरवा एवं रामवतार मीणा को जिम्मेदारियां सौंपी गई।

किसानों की खाद्य आपूर्ति के लिए कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका) । जिला मुख्यालय पर शुक्रवार 05 दिसंबर 2025 को नवनियुक्त कांग्रेस जिला अध्यक्ष इंदिरा मीणा की अध्यक्षता में कांग्रेस कमेटी ने कलेक्ट्रेट परिसर में राजस्थान सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से बताया कि किसानों को रबी की फसल हेतु पर्याप्त मात्रा में खाद की आपूर्ति नहीं हो रही है। जिससे जिले के किसानों को फसल के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है एवं जिले में खाद आपूर्ति के लिए खाद व्यापारीयों द्वारा अवैध रूप से खाद का स्टॉक कर कालाबाजारी की जा रही है। जिसे लेकर जिले के किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है। प्रदर्शन में पूर्व विधायक अशोक बैरवा, पीसीसी

सचिव लईक अहमद, प्रभारी पुष्पेंद्र भारद्वाज, जिला प्रमुख सुदामा मीणा, प्रधान देवपाल मीणा, बंशीलाल मीणा, पूर्व जिलाध्यक्ष गिर्राज गुर्जर,शिवचरण बैरवा, एड.मानसिंह मीणा, बत्तीलाल गुर्जर, सोनिका शर्मा सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहै।

उमराह से लौटने पर किया इस्तकबाल

मांगरोल (रॉयल पत्रिका)। शहर की जानी मानी शख्सियत हुसैन भाई (कव्वाल) के उमराह के मुकद्दस सफर से लौटने पर कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग ने उनके घर जाकर माला पहनाकर साफाबंदी करके मुंह मीठा करवा के उनका इस्तकबाल किया और मुबारकबाद दी। इस मौके पर मांगरोल नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉक्टर इजहार खान (सीमा), रफीक बाड़ी वाले, असगर अली अंसारी पूर्व वाईस चेयरमैन, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष व पार्षद अख्तर हुसैन बख्तावर, हैमराज शर्मा, डॉक्टर अशफाक, जफर इकबाल, इकरामुद्दीन पाटिल ओर मोहम्मद हाशिम सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पवन पाण्डेय की पुस्तक समीक्षा की भारतीय दृष्टि प्रकाशित

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय साहित्य परिषद जोधपुर प्रांत प्रचार प्रमुख साहित्यकार पवन कुमार पाण्डेय ने समीक्षा की भारतीय दृष्टि पुस्तक लिखकर अद्‌त प्रशंसनीय कार्य किया है। इस पुस्तक में विभिन्न विधाओं की समीक्षाएं पाठकों पढ़ने को मिलेगी। पवन पाण्डेय ने बताया कि वर्तमान समय में पाठकों में पुस्तकें पढ़ने की रुचि कम हो रही है वह संक्षेप में ही जानकारी चाहते हैं । इन्हीं कारणों को ध्यान में रखकर संपूर्ण भारतवर्ष के 61 विद्वानों की पुस्तकों को पढ़-समझकर एक विशिष्ट पुस्तक लिखी है जिसमें धर्म, योग, पत्रकारिता, नैतिकता, जीवन जीने की कला, राजनीति आदि विषय समाहित है। जिलाध्यक्ष भवंरसिंह राठौड़ चोटिला ने बताया कि पुस्तक के प्रेरणास्रोत राष्ट्रीय संगठनमंत्री मनोज कुमार हैं। पुस्तक की भूमिका भारतीय जनसंचार संस्थान सूचना प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार के पूर्व महादिनेशक प्रो. संजय द्विवेदी, प्रस्तावना अखिल भारतीय साहित्य परिषद राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. दिनेश प्रताप सिंह एवं पुरोवाक् कवि साहित्यकार डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह संजय एवं

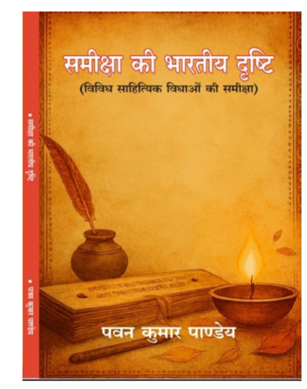

समीक्षा दृष्टि राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सुशीलचंद्र त्रिवेदी मधुपेश ने लिखी है। पुस्तक को लेकर वंदेमातरम् शिक्षण संस्थान निदेशक राजेन्द्र सिंह भाटी, श्यामाप्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउण्डेशन नई दिल्ली अनुसंधानकर्ता डॉ. शिवेश प्रताप, महावीर शिक्षण संस्थान रानी निदेशक डॉ. राघवप्रसाद पाण्डेय, जार प्रदेश उपाध्यक्ष ओम चतुर्वेदी, सामाजिक कार्यकर्ता शैल चतुर्वेदी, कवयित्री तृप्ति पाण्डेय, गोपीदास रामावत, मनीषकुमार अनैतिक, सत्यनारायण राजपुरोहित, श्रीराम वैष्णव कोमल, दिलीप बच्चानी, संजय चतुर्वेदी, मयंक तिवारी, मांगूसिंह दूदावत, संदीप वैष्णव, नाथूसिंह राजपुरोहित सहित साहित्य प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त किया है।

दु:ख में भी मानवता की लौ प्रज्वलित: कपिल मंत्री का नेत्रदान बना प्रेरक उदाहरण

-परिवार ने शोक में भी सेवा का संकल्प निभाया

बारां (रॉयल पत्रिका) । स्थानीय तालाब पाड़ा क्षेत्र के 41 वर्षीय युवक कपिल मंत्री का बीती रात अचानक हृदय गति रुकने से निधन हो गया। परिवार पर दुख का पहाड़ टूटने के बावजूद मंत्री परिवार ने अद्‌त मानव सेवा का परिचय देते हुए नेत्रदान का निर्णय लेकर समाज में एक प्रेरणादायी संदेश दिया। शाइन इंडिया फाउंडेशन, बारां के संयोजक एवं भारत विकास परिषद के सचिव हितेश खंडेलवाल ने बताया कि कपिल मंत्री के देवलोकगमन की सूचना संस्था के ज्योति मित्र लोकेश पांचाल और सुलभा गुप्ता द्वारा मिलते ही परिवार से नेत्रदान हेतु संपर्क किया गया। मंत्री परिवार पूर्व में भी अपने दिवंगत परिजनों के नेत्रदान करा चुका है, और उसी पावन परंपरा को निभाते हुए इस बार भी परिवार ने सहमति प्रदान की। नेत्रदान के लिए पिता

गोपाल मंत्री, माता संतोष मंत्री, पत्नी जयमाला, भाई नितिन, तथा पुत्र दिव्यांश एवं न्यांश द्वारा सहमति दी गई। सूचना मिलते ही शाइन इंडिया व बीबीजे चैप्टर के संयोजक डॉ. कुलवंत गौड़ कोटा से बारां पहुंचे और नेत्रदान की संपूर्ण प्रक्रिया पूरी की। नेत्रदान के इस कार्य में नवीन सोमानी, सत्यनारायण माहेश्वरी, गिर्राज महेश्वरी, बृजेन्द्र जोशी, रोहित गौतम सहित कई समाजसेवियों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। शाइन इंडिया फाउंडेशन के डॉ. कुलवंत गौड़ ने बताया कि बारां जिले में नेत्रदान के क्षेत्र में अत्यंत सराहनीय कार्य हो रहा है। लोगों में जागरूकता तेजी से बढ़ी है और अब जिलेभर के नेत्रदानी परिवारों के सम्मान में जल्द ही एक भव्य आयोजन की रूपरेखा भी तैयार की जा रही है। भारत विकास परिषद के अध्यक्ष नरेश खंडेलवाल ने बताया कि यह बारां जिले का 78वां नेत्रदान है तथा परिषद द्वारा पिछले दो महीनों में संपन्न हुआ आठवां नेत्रदान। परिषद नियमित रूप से नेत्रदान और नेत्र जांच शिविरों का आयोजन भी करती है। आगामी नेत्र जांच शिविर 7 दिसंबर, रविवार को खंडेलवाल धर्मशाला, बारां में आयोजित किया जाएगा। मंत्री परिवार का यह निर्णय समाज में सेवा, संवेदना और संस्कारों की सबसे उज्ज्वल मिसाल बनकर सामने आया है, जो अनेक लोगों को प्रेरित करेगा।

करीरी पीएचसी में डॉक्टर गैर-हाजिर, ग्रामीणों का विरोध प्रदर्शन

-बीसीएमओ ने नई नियुक्ति का दिया आश्वासन

हनीस खान कुतकपुर

करौली (रॉयल पत्रिका)। टोडाभीम क्षेत्र की ग्राम पंचायत करीरी स्थित पीएचसी में चिकित्सक के समय पर उपस्थित न होने से ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। शुक्रवार सुबह स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही और मरीजों को हो रही परेशानी के विरोध में ग्रामीणों ने पीएचसी परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि अस्पताल में तैनात चिकित्सक न केवल समय पर ड्यूटी पर नहीं आते, बल्कि मरीजों और उनके परिजनों के साथ अभद्रव्यवहार भी करते हैं। इस कारण लोगों को प्राथमिक उपचार के लिए भी कई किलोमीटर दूर टोडाभीम या अन्य स्थानों पर जाना पड़ता है, जिससे आपातकालीन स्थितियों में मरीजों की हालत बिगड़ जाती है। ग्रामीणों ने इसकी सूचना दूरभाष पर ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारी (बीसीएमओ) डॉ.

देवीसहाय मीना को दी। सूचना मिलने पर बीसीएमओ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। डॉ. मीना ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि अस्पताल में चिकित्सा सेवाओं को सुचारु रखने के लिए सात दिनों के भीतर एक अतिरिक्त चिकित्सक की नियुक्ति कर दी जाएगी। इस आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने अपना विरोध प्रदर्शन समाप्त कर दिया। हालांकि, ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि तय समय सीमा में उचित कार्रवाई नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि क्षेत्र की बढ़ती आबादी और बीमारियों को देखते हुए पीएचसी में नियमित चिकित्सक और दवाइयों की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है। इस संबंध में, ब्लॉक बीसीएमओ डॉ. देवीसहाय मीना ने बताया कि जल्द ही पीएचसी में साफ-सफाई करवाई जाएगी और मौजूदा चिकित्सक को समय पर आने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों की नियुक्ति सरकार द्वारा की जाती है और इस संबंध में आगे लिखकर भेज दिया गया है।

सेवादल जिलाध्यक्ष शिवशंकर यादव ने स्वायत्त शासन विभाग को भेजा ज्ञापन

-नगर परिषद क्षेत्र में सम्मिलित 11 गांव सहित राजकीय भूमि नियमन के पटटे जारी करने एवं पुरानी आबादी के 69 ए या पुश्तैनी पटटे जारी करने की मांग की

बारां (रॉयल पत्रिका) । कांग्रेस सेवादल के जिलाध्यक्ष शिवशंकर यादव ने राजकीय भूमि नियमन के पटटे नगर परिषद क्षेत्र में सम्मिलित 11 गांव सहित जारी करवाने, पुरानी आबादी के 69 ए या पुश्तैनी पटटे बनवाने एवं सभी प्रकार के पटटों में डीएलसी दर कम करवाने की मांग को लेकर निर्देशक, स्वायत शासन विभाग को ज्ञापन भेजा है। शिवशंकर यादव ने बताया कि वर्ष 2023 समाप्त होने के बाद 2 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। नगर परिषद में ब्रजेश राय आयुक्त पद पर रहे, फिर सौरभ जिंदल रहे उसके बाद एसडीएम कुंतल साहब के पास आयुक्त पद का चार्ज रहा, फिर डीएसओ अनील चौधरी के पास

आयुक्त पद का चार्ज रहा। फिर आरओ मोतीशंकर नागर आयुक्त रहे। 17 अक्टूबर को रिश्वत के आरोप में गिरफ्तार हुए वर्तमान में अधिशाषी अभियंता भुवनेश मीणा के पास आयुक्त पद का चार्ज है। इस 2 वर्ष के कार्यकाल में नगर परिषद द्वारा एक भी राजकीय भूमि नियमन का पटटा नहीं बना और ना ही पुरानी आबादी 69 ए या पुश्तैनी पटटे नहीं बनाए गए, अगर यह पटटे बन जाते तो आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ ले पाते और उनके पक्के मकान बन जाते। यादव ने स्वायत शासन विभाग के निर्देशक से राजकीय भूमि नियमन के पटटे नगर परिषद क्षेत्र में सम्मलित 11 गांवों सहित जारी करवाने एवं पुरानी आबादी के 69 ए या पुश्तैनी पटटे बनाने व सभी प्रकार के पटटो में डीएलसी दर कम करवाने की मांग की, जिससे गरीब मजदूर वर्ग के लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिल सके।

शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ने दिए निर्देश

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका) । अतिरिक्त संभागीय आयुक्त कोटा श्रीमती ममता कुमारी तिवारी ने शुक्रवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बटावदा का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों के शैक्षिक स्तर की जांच की गई, जो अपेक्षित मानकों के अनुरूप संतोषजनक नहीं पाया गया। कक्षा 5 की छात्राओं से हिन्दी एवं अंग्रेजी की पुस्तकों के कुछ अंश पढ़ने को कहा गया, किन्तु एक भी छात्रा पाठ नहीं पढ़ सकी, जिस पर उन्होंने गंभीर असंतोष व्यक्त किया। इस दौरान उपस्थित विषयाध्यापिका एवं उप प्रधानाचार्य को शिक्षा स्तर में तत्काल सुधार लाने के निर्देश दिए गए। उन्होंने विद्यालय भवन का भी निरीक्षण किया तथा परिसर में स्वच्छता की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक निर्देश प्रदान किए। विद्यालय निरीक्षण के बाद श्रीमती तिवारी ने प्राथमिक चिकित्सा केन्द्र, बटावदा का निरीक्षण किया, जहाँ व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। अतिरिक्त संभागीय आयुक्त ने कहा कि "शिक्षा की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। विद्यालयों में बुनियादी शिक्षा मजबूत करना हमारी प्राथमिकता है।"

जरूरतमंद बच्चों को मिला सहारा: सामाजिक सेवा एवं सहयोग कार्यक्रम ने बांटे 100 ऊनी जर्सी

-सर्दी में गर्माहट की सौगात: 100 विद्यार्थियों को मिले ऊनी वस्त्र

हनीस खान कुतकपुर

हिंडौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। नगर परिषद हिंडौन सिटी स्थित खेड़लियान का पुरा सामाजिक सेवा एवं सहयोग कार्यक्रम के तत्वाधान में महात्मा गांधी गवर्नमेंट इंग्लिश मीडियम स्कूल, खेड़लियान का पुरा में जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को गर्म ऊनी कपड़े वितरित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना, दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आनंद गिरी फौजी बाबा ने की, वहीं मुख्य अतिथि के रूप में रमेश ठेकेदार, सुरज्ञान, समाजसेवी हुकम सिंह एवं भरत गोगरिया उपस्थित रहे। अतिथियों

ने विद्यालय के जरूरतमंद बच्चों को ऊनी एवं गर्म कपड़े वितरित किए। विद्यालय के प्रधानाचार्य रमेश मीणा ने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों का धन्यवाद व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे धर्मवीर गौतम ने बताया कि सामाजिक सेवा एवं सहयोग कार्यक्रम के माध्यम से इस बार विद्यालय के 100 जरूरतमंद विद्यार्थियों को जर्सी वितरित की गई, ताकि वे सर्दी के मौसम में सुरक्षित और सहज रह सकें। कार्यक्रम में एसएमसी अध्यक्ष रामवीर गौतम, पूरन ठेकेदार सहित विद्यालय के सभी शिक्षक एवं स्थानीय गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सुशासन दिवस को लेकर भाजपा की बैठक संपन्न, कार्यकर्ताओं को सौंपी जिम्मेदारी

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी सवाई माधोपुर की सुशासन दिवस को लेकर आज जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर की अध्यक्षता में जिला कार्यालय पर आयोजित हुई। जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर के नेतृत्व में आयोजित बैठक में उन्होंने बताया कि सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने पर 10 दिसंबर से 25 दिसंबर तक सुशासन दिवस मनाया जाएगा, जिसमें सरकार की 2 वर्ष की उपलब्धियां को आम जनता तक पहुंचाया जाएगा, जिसके

लिए 14 दिसंबर से चारों विधानसभाओं में चार रथ आएंगे, सरकार की उपलब्धियां में पानी समझौता, बिजली समझौता एवं युवाओं को दी गई 110000 नौकरियां जैसे प्रमुख सरकार की उपलब्धि रहेगी । जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने मीटिंग करके आज सभी जिला स्तर एवं विधानसभा स्तर पर प्रभारी तय कर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी है। इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेश जैन, डॉ. भरत मथुरिया, जिला महामंत्री जगदीश अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष हरिओम गर्ग, सत्यनारायण धाकड़, मीरा सैनी, जिला प्रवक्ता सुरेन्द्र शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष दिन दयाल अग्रवाल, बजरिया मंडल अध्यक्ष रितेश भारद्वाज, अशोक राज मीणा, जिला कार्यालय मंत्री मुकेश शर्मा, पूर्व जिला प्रमुख पृथ्वीराज मीणा, पूर्व मंडल अध्यक्ष रामकिशोर अग्रवाल उपस्थित रहे।

वक्फ संपत्तियों को रजिस्टर्ड किया गया

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय में सहायक प्रशासनिक अधिकारी कैलाश शर्मा के साथ राजस्थान वक्फ बोर्ड द्वारा नॉमिनेटेड अत्ताउल्लाह हक के चुरू पहुंचने पर और चूरू की तरफ से वक्फ बोर्ड जिला अध्यक्ष आजम अली खान व रिटायर्ड एसबीआई बैंक अधिकारी डॉ, मुस्तकीम शेख और शिक्षाविद हाजी युसूफ अली खान चौहान, नियमित काफी दिनों से वक्फ की संपत्तियों को रजिस्टर्ड करने के लिए अपनी सेवाएं दे रहे हैं। आपने बताया कि अभी तक जिले भर से लगभग 300- 350 संपत्तियों के रजिस्टर्ड के लिए आवेदन-पत्र आए हुए हैं। जो उम्मीद पोर्टल पर चढ़ाए दिए गये हैं। जिसमें मस्जिद, मदरसा, खानकाए, दरगाह, कब्रिस्तान आदि संपत्तियों का विवरण है। अल्पसंख्यक समाज ने आए हुए अधिकारियों और उन सक्षम लोगों का जिन्होंने वक्फ संपत्तियां के संरक्षण के लिए अपना कीमती समय दिया और सहयोग किया उन सभी का आभार व्यक्त किया।

पानी की मांग को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन: महिलाओं ने लहराए खाली बर्तन

-बोले- एक साल से परेशान, जिम्मेदार नहीं ले रहे सुध

हनीस खान कुतकपुर

टोड़ाभीम/नांगलशेरपुर (रॉयल पत्रिका)। जहांनगर मोरडा ग्राम पंचायत के गांव रामपुरा गांव में पानी की समस्या को लेकर शुक्रवार को ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। सामाजिक कार्यकर्ता प्रभु बेरवा ने बताया कि गांव में पिछले एक साल से पेयजल समस्या बनी हुई है। वार्ड पंच गोविंदा बैरवा एवं अन्य ग्रामीणों ने बताया कि रामपुरा गांव में पिछले एक साल से पेयजल संकट बना हुआ है। पशुओं को भी समय पर पानी नहीं मिल पा रहा है। पानी की समस्या के समाधान की मांग को लेकर लोगों ने उपखण्ड अधिकारी विकास अधिकारी को कई बार अवगत कराया, लेकिन समाधान नहीं हुआ। ग्रामीणों ने बताया कि पेयजल सप्लाई नहीं होने से लोगों को मजबूरन पानी के टैंकर से सप्लाई मंगवानी पड़ रही है। महिलाओं ने मटका, बाल्टी के साथ प्रदर्शन कर प्रशासन से गुहार लगाई है कि पेयजल संकट का जल्द समाधान किया जाए। ग्रामीणों ने बताया है कि गांव में 3 हैंडपंप लगे हुए हैं, लेकिन प्रशासन को अवगत कराने के बाद भी उनकी मरम्मत

नहीं कराई गई। रामपुरा गांव में पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही है। जिसके चलते पेयजल संकट बना हुआ है। प्रदर्शन करने वाली महिला बिमला, हरपति, कमलेश, रेशम, सीता, रेखा आदि मौजूद थी। संवाददाता के द्वारा इस संबंध में जल दाय विभाग के कनिष्ठ अभियंता उदय शंकर मीणा से हुई वार्ता में बताया कि रामपुरा में जेएमएम स्कीम ड्राई हो गई इसलिए पेयजल संकट बना हुआ है शीघ्र ही रामपुरा को चंबल परियोजना से जोड़ा जाएगा।

राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनैतिक प्रतिनिधित्व) आयोग का संभाग स्तरीय जनसंवाद 8 दिसंबर को कोटा में

बारां (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनैतिक प्रतिनिधित्व) आयोग का संभाग स्तरीय जनसंवाद कार्यक्रम 8 दिसंबर 2025 को आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम दोपहर 2:00 बजे से सायं 4:30 बजे तक जिला परिषद सभागार, सीएडी सर्किल, दादाबाड़ी रोड, कोटा में आयोजित होगा। कार्यक्रम में आयोग के अध्यक्ष, सदस्यगण एवं सचिव उपस्थित रहकर संभाग स्तर के विभिन्न मुद्दों पर आमजन के साथ संवाद करेंगे तथा सुझाव व समस्याओं का प्रत्यक्ष रूप से अवलोकन करेंगे। आयोग द्वारा प्रस्तावित इस जनसंवाद कार्यक्रम में बारां जिले से संबंधित अधिकारी एवं प्रतिनिधियों को आवश्यक रूप से प्रतिभाग सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य अन्य पिछड़ा वर्ग के राजनैतिक प्रतिनिधित्व से संबंधित विषयों पर व्यापक विचार-विमर्श करते हुए प्रभावी समाधान की दिशा में कदम बढ़ाना है।

जयपुर संभागीय आयुक्त ने झुंझुनूं बस स्टैंड व माडासी में स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण, सेवाओं में सुधार के दिए निर्देश

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। जयपुर संभागीय आयुक्त पूनम गुरुवार को झुंझुनू जिले के दौरे पर रही। निरीक्षण के दौरान उनके साथ जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग भी उपस्थित रहे। जयपुर संभागीय आयुक्त पूनम ने राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम झुंझुनूं आगार के बस स्टैंड एवं कार्यालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आगार की कार्यशैली, यात्रियों की सुविधा, व्यवस्थाओं एवं विकास कार्यों का विस्तार से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान आगार प्रशासन द्वारा पिछले तीन वर्षों का लाभ-हानि विवरण प्रस्तुत किया गया, जिसमें यह पाया गया कि आगार लगातार हानि में रहा था, किन्तु वर्ष 2025 के अगस्त एवं सितम्बर माह में आगार ने लाभ अर्जित किया है। इस पर संभागीय आयुक्त ने इसे सकारात्मक संकेत बताते हुए बेहतर प्रबंधन एवं निरंतर प्रयासों की सराहना की। संभागीय आयुक्त ने मुख्यालय द्वारा निर्धारित संचालन परिणामों की समीक्षा की, जिसमें पाया गया कि आगार द्वारा गत वर्ष की तुलना में अधिक संचालन परिणाम दर्ज किए जा रहे हैं और लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने बस स्टैंड परिसर में करवाए जा रहे नवीनीकरण एवं विकास कार्यों का जायजा लिया तथा यात्री सुविधाओं जैसे बैठने की व्यवस्था, पेयजल, शौचालय एवं रोशनी की उपलब्धता का निरीक्षण किया। यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने बस स्टैंड परिसर में स्वच्छता बनाए रखने तथा यात्री सूचना प्रणाली (Passenger Information System) शीघ्र स्थापित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही संभागीय आयुक्त ने ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित बस सेवाओं की स्थिति के बारे में जानकारी ली और आवश्यकता अनुसार सेवाओं में विस्तार एवं सुधार के निर्देश दिए।

माडासी में स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्थाओं का निरीक्षण

संभागीय आयुक्त ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र माडासी का निरीक्षण कर चिकित्सा सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने महिला व पुरुष वार्ड, लेबर रूम सहित विभिन्न चिकित्सा कक्षों का अवलोकन किया। उन्होंने अस्पताल में दवाओं की उपलब्धता, ओपीडी-आइपीडी में मरीजों की संख्या, चिकित्सा उपकरणों की कार्यस्थिति, नियमित टीकाकरण तथा भर्ती मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध करवाने संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। संभागीय आयुक्त ने निर्देश दिए कि अस्पताल में जन्म लेने वाले बच्चों को डिस्चार्ज के साथ ही जन्म प्रमाण पत्र उपलब्ध करवाया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि झुंझुनू जिले में स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत हैं और इन्हें और बेहतर कर सभी पैरामीटर्स पूरा करते हुए जिले को अग्रणी बनाएं। उन्होंने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई की भी सराहना की।

इसके बाद संभागीय आयुक्त ने राजकीय सरस्वती देवी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय माडासी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कक्षा 3 के छात्र-छात्राओं से संवाद कर उनकी शैक्षणिक स्थिति का परीक्षण किया। बच्चों से पुस्तकों की उपलब्धता के बारे में पूछे जाने पर विद्यार्थियों ने बताया कि पाठ्य-पुस्तकें उन्हें विद्यालय से प्राप्त हुई हैं। संभागीय आयुक्त ने विद्यालय प्रशासन से कहा कि बच्चों की शिक्षा सर्वोपरि है और पढ़ाई की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि शिक्षा का स्तर बेहतर रहेगा तो नामांकन भी बढ़ेगा और विद्यालय का प्रतिष्ठा स्तर भी ऊंचा होगा। निरीक्षण के दौरान विद्यालय परिसर की स्वच्छता और व्यवस्थाओं पर भी उन्होंने संतोष व्यक्त किया।

इस अवसर पर रोडवेज डिपो मैनेजर गिरिराज स्वामी, सीएमएचओ डॉ. छोटेलाल गुर्जर, सीएचसी प्रभारी डॉ. अदिति डूडी, विद्यालय प्राचार्य सुभिता सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

संभागीय आयुक्त ने किया राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम, जोधपुर कार्यालय का औचक निरीक्षण

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। संभागीय आयुक्त डॉ. प्रतिभा सिंह द्वारा गुरुवार को राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम, जोधपुर के मुख्य प्रबंधक कार्यालय (जोधपुर आगार) का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपस्थिति पंजिकाओं के अवलोकन में पाया गया कि कार्यालय में कार्यरत कुल 29 अधिकारियों/कर्मचारियों में से 11 अनुपस्थित थे। संभागीय आयुक्त ने अनुपस्थित पाए गए कार्मिकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण में यह उल्लेख किया गया कि मुख्य प्रबंधक, प्रबंधक (प्रशासन) तथा प्रबंधक (वित्त) को दिनांक 03 दिसंबर को विभागीय बैठक के लिए जयपुर जाने का उल्लेख किया गया था, परंतु निरीक्षण के समय ये अधिकारी कार्यालय में उपस्थित नहीं पाए गए। निरीक्षण के दौरान संभागीय आयुक्त डॉ. सिंह ने बस संचालन, यात्रियों की सुविधाओं एवं परिसर की स्वच्छता संबंधी जानकारी ली। केन्द्रीय बस स्टैंड परिसर में सफाई व्यवस्था अपेक्षाकृत संतोषजनक पाई गई, जबकि बाहरी परिसर, विशेषकर बस प्लेटफार्म क्षेत्र में गंदगी पाई गई। इस पर वहां उपस्थित अधिकारी विशाल सांखला को तुरंत सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश प्रदान किए गए। संभागीय आयुक्त ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समय पर उपस्थित रहने तथा यात्रियों की सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

"भारतीय भाषा उत्सव" के अंतर्गत कार्यक्रम आयोजित

लाडनूं (रॉयल पत्रिका)। जैन विश्वभारती संस्थान विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में एन.सी.टी.ई.एवं यू.जी.सी. के निर्देशानुसार 'भारतीय भाषा उतसव' का एक सप्ताह की कार्यक्रम श्रृंखला का आयोजन 11 दिसम्बर तक किया जाएगा। गुरूवार को उत्सव के प्रथम दिवस पर आयोजित किए गए कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. बी.एल. जैन ने की। उन्होंने 'भाषा वृक्ष प्रदर्शन' पर अपने विचार रखते हुए कहा कि भाषा वृक्ष प्रदर्शन एक शिक्षण-सहायक दृश्य प्रस्तुति है, जिसके माध्यम से भाषाओं के विकास, विस्तार और संरचनात्मक संबंधों को वृक्ष के रूप में दर्शाया जाता है। इस प्रदर्शन में भाषा को एक जीवित वृक्ष की उपमा दी जाती है, जहां जड़ें मूल भाषा या प्राचीन भाषाई स्रोत को दर्शाती हैं। तना भाषा परिवार का प्रतीक होता है, जबकि मुख्य शाखाएं विभिन्न उपभाषा-समूहों और भाषाई धाराओं का प्रतिनिधित्व करती हैं। इन शाखाओं से निकलने वाली छोटी-छोटी टहनियां आधुनिक भाषाओं तथा उनकी बोलियों को चित्रित करती हैं। यह प्रदर्शन विद्यार्थियों, शिक्षकों और शोधार्थियों के लिए अत्यंत उपयोगी होता है, क्योंकि यह जटिल भाषाई संबंधों को सरल, स्पष्ट और रोचक रूप में प्रस्तुत करता है। भाषा-विज्ञान में उपयोग होने वाली ऐतिहासिक और तुलनात्मक पद्धतियों को समझने में भी यह सहायक है। भाषा वृक्ष प्रदर्शन के माध्यम से भाषा परिवारों की उत्पत्ति, विकास-क्रम, भौगोलिक विस्तार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और भाषाई समानताओं-असमानताओं को एक ही दृश्य में समझाया जा सकता है। इस कार्यक्रम में संध्या, आरती स्वामी, कविता स्वामी, पूजा स्वामी, रेणु कंवर, अनिता आदि विद्यार्थियों ने भाग लेते हुए भाषा, हिन्दी व्याकरण, विलोम शब्द, वर्ण, व्यंजन आदि क्षेत्रों का भाषा वृक्ष तैयार किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अमिता जैन ने किया। कार्यक्रम में समस्त संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर ने सुदरी में आयोजित रात्रि चौपाल में सुनी जनसमस्याएँ

-गांव में साफ-सफाई व विकास कार्यों को लेकर दिए आवश्यक निर्देश

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर आलोक रंजन की अध्यक्षता में 4 दिसंबर (गुरुवार) को गंगरार उपखण्ड की सुदरी ग्राम पंचायत में रात्रि चौपाल आयोजित की गई। रात्रि चौपाल में 35 से अधिक परिवादों की जनसुनवाई की गई, जिनमें से अधिकांश का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया तथा शेष परिवादों शीघ्र निस्तारण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। कलक्टर रंजन ने ग्राम क्षेत्र में साफ-सफाई व्यवस्था, नालियों के निर्माण, रोड लाइट, आवारा पशुओं की समस्या, खेतों पर जाने के रास्ते, लाइब्रेरी संचालन, नया पटवार भवन, आंगनवाड़ी में शौचालय निर्माण, रोड पर लगे बिजली खंभों को हटाने, बिजली के तारों को ऊँचा करवाने तथा पेयजल जैसी समस्याओं पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। रात्रि चौपाल के दौरान स्थानीय विद्यालय के उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं एवं खिलाड़ियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित भी किया गया। कलक्टर ने प्रत्येक परिवाद को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने को कहा। इस अवसर पर जिला एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं की जानकारी ली गई तथा ग्रामीणों की शिकायतों के समय पर निराकरण करने के निर्देश दिए गए। रात्रि चौपाल में अतिरिक्त जिला कलक्टर विनोद मल्होत्रा, उपखण्ड अधिकारी पुनीत गेलड़ा, तहसीलदार, विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत प्रशासक रतनी देवी सहित जिले के सभी संबंधित अधिकारी एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सरकारी स्कूल पढ़ाई में निजी से आगे, जल्द लागू होगा संस्कारों वाला सिलेबस

-शिक्षा में राजस्थान देश में तीसरे नंबर पर- शिक्षा मंत्री

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि राजस्थान में शिक्षा का स्तर लगातार सुधर रहा है। हम सभी की भागीदारी और प्रयासों से ही राजस्थान शिक्षा के क्षेत्र में देश में तीसरे स्थान पर आ गया है। आज सरकारी स्कूल पढ़ाई और गुणवत्ता के मामले में निजी विद्यालयों से कहीं आगे निकल चुके हैं। शिक्षा मंत्री दिलावर गुरुवार को पेच की बावड़ी के राजकीय विद्यालय में 1.10 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित विज्ञान संकाय के कक्षा-कक्षों का लोकार्पण करने के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे।

जल्द मिलेगा मानवीय मूल्यों वाला पाठ्यक्रम

समारोह में शिक्षा मंत्री ने संस्कार युक्त शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों को मानवीय मूल्यों से ओत-प्रोत शिक्षा मिले, इसके लिए सरकार विशेष प्रयास कर रही है। इसके लिए नया सिलेबस तैयार किया जा चुका है और जल्द ही इसे विद्यालयों में उपलब्ध करवा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि संस्कार युक्त शिक्षा से ही एक बेहतर और सभ्य समाज का निर्माण संभव है।

प्रतिभाओं का सम्मान और आवास की चाबियां सौंपी

कार्यक्रम के दौरान शिक्षा मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के लाभार्थियों को उनके सपनों के घर की चाबियां सौंपी। इसके अलावा बोर्ड परीक्षाओं में 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों और खेल प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

ये रहे मौजूद

समारोह में स्कूली छात्राओं ने स्वागत गीत और राजस्थानी गीतों पर आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। इस अवसर पर पूर्व कृषि मंत्री प्रभुलाल सैनी, जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा, हिंडोली प्रधान कृष्णा माहेश्वरी, कालूलाल जांगिड़, शौकीन चंद राठौड़, पंचायत प्रशासक सीमा देवी मीणा, बाबूलाल मीणा सहित कई जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहें।

बाल वाहिनियों का औचक निरीक्षण; सामने आई कई खामियां

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों की पालना में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव गजेन्द्र सिंह तेनगुरिया द्वारा मुख्य डाकघर के सामने व बस डिपो के पास बाल वाहिनियों का औचक निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण पूर्व राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन पर जिला परिवहन अधिकारी एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं यातायात निरीक्षक के साथ द्वारा बैठक का आयोजन किया गया था। स्कूली समय समाप्त होने के साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम, सचिव, जिला परिवहन अधिकारी, यातायात निरीक्षक दल-बल के साथ फील्ड में उतरी। इस दौरान कई स्कूली वाहनों का निरीक्षण किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव गजेन्द्र सिंह तेनगुरिया ने बताया कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर 21 सुरक्षा बिंदुओं को आधार बनाकर स्कूली वाहनों का निरीक्षण किया गया, लेकिन एक भी ऐसा वाहन नहीं मिला, जिसने सभी नियमों की पालना की हो। अधिकांश वाहनों में प्राथमिक उपचार किट, अग्निशमन यंत्र नहीं मिला। कई बाल वाहिनियों में ओवरलोड की समस्या, वाहिनी का रंग पीला ना होना व चाईल्ड हैल्पलाईन नम्बर नहीं होना आदि समस्याएं पाई गई। इसके अलावा वाहनों में जीपीएस सिस्टम भी नहीं था, इसके चलते स्कूल प्रशासन और अभिभावक भी इन वाहनों की वास्तविक स्थिति की जानकारी नहीं कर पाते हैं।

बाल वाहिनियों के लिए ये हैं प्रावधान:-

बाल वाहिनियों में स्कूली बच्चों को लाने ले जाने का काम किया जाता है, ऐसे में बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए इन वाहनों के लिए कुछ सुरक्षा मापदंड तय किए गए हैं, इसके तहत हर वाहन में प्राथमिक उपचार किट जरूरी है, ताकि आपातकाल में प्राथमिक उपचार दिया जा सके, इसके अलावा वाहन में आपातकालीन निकास की व्यवस्था जरूरी है। बच्चों को बस में चढ़ाने और उतारने के लिए चालक के साथ सहायक का होना भी जरूरी है। वहीं, बस एवं वैन पीले रंग की और प्रत्येक वाहन पर ऑन स्कूल ड्यूटी लिखा होना और पीली स्ट्रिप होना भी जरूरी है। इसके अलावा चालक के वर्दी में होने और वाहनों के सभी दस्तावेज पूर्ण होने जैसे सामान्य प्रावधान भी शामिल हैं।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर सेमिनार का आयोजन

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के निर्देशानुसार अन्तर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव समीक्षा गौतम द्वारा जिला मुख्यालय सवाई माधोपुर के पैनल अधिवक्तागण एवं अधिकार मित्रों के साथ सरस्वती विद्या आश्रम महाविद्यालय कुस्तला सवाई माधोपुर में सेमिनार का आयोजन किया गया।

सेमिनार में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव समीक्षा गौतम द्वारा शारिरीक रूप से दिव्यांग व्यक्तियों के कानूनी अधिकारों, नालसा (मानसिक रूप से बीमार एवं बौद्धिक रूप से असक्षम व्यक्तियों के लिए विधिक सेवाएं) योजना, 2024 के तहत मानसिक रूप से बीमार एवं बौद्धिक रूप से असक्षम व्यक्तियों को प्राप्त निःशुल्क विधिक सलाह एवं सहायता तथा न्याय आपके द्वार-लोक उपयोगिता समस्याओं का सुलभ और त्वरित समाधान अभियान के माध्यम से जनउपयोगी सेवाओं जैसे बिजली, पानी, सड़क, स्वच्छता, स्वास्थ्य, बैंक, बीमा एवं वित्तीय सेवाओं, परिवहन सेवाओं से संबंधित शिकायतों के निवारण आदि के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इस दौरान अधिकार मित्र सुनिता जोनवाल द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली एवं क्रियाकलापों के संबंध में, पैनल अधिवक्ता तपेश जैन द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत, राजस्थान पीड़ित प्रतिकर योजना के संबंध में, पैनल अधिवक्ता नंदकिशोर बैरवा द्वारा दिव्यांग बच्चों के अधिकारों, दिव्यांग बच्चों के साथ भेदभाव, गलत व्यवहार करने पर सजा का प्रावधान, नाबालिग बालकां द्वारा अपराध करने से संबंधित प्रावधानों के संबंध में तथा डिप्टी एलएडीसी वीरेन्द्र सिंह राजावत व असिस्टेंट एलएडीसी अक्षय सिंह राजावत द्वारा विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों के लिए संचालित योजनाओं, दिव्यांग व्यक्तियों के समक्ष आने वाली चुनौतियों और उन चुनौतियों को दूर करने के उपायों, नालसा हेल्पलाईन नंबर 15100 के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

इस दौरान महाविद्यालय स्टाफ द्वारा महाविद्यालय के परिचय, क्रियाकलापों के संबंध में जानकारी दी गई एवं दिव्यांग बच्चों के कानूनी अधिकारों की प्रोजेक्टर पर वीडियो क्लिप का प्रदर्शन किया गया। महाविद्यालय की छात्राओ द्वारा कविता वाचन और मोटिवेशनल स्पीच के माध्यम से बच्चों का उत्साहवर्धन किया गया। महाविद्यालय की छात्राओं द्वारा दिव्यांग बच्चों के उत्साहवर्धन हेतु नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। दिव्यांग बच्चों द्वारा भी इस दौरान प्रस्तुति प्रस्तुत की गई। इस दौरान महाविद्यालय की डायरेक्टर मंजू शर्मा, असिस्टेंट डायरेक्टर हेमलता शर्मा, प्रधानाचार्य रवि शर्मा, विशेष समन्वय विवेक यादव, विशेष शिक्षक कुलदीप योगी तथा गोपेश भारद्वाज, चंचल शर्मा उपस्थित रहे।

सवाई माधोपुर शहर में स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत सौन्दर्यकरण और विकास कार्य होंगे

-कलक्टर ने जन सुविधाओं के विकास के लिए विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर आमजन और पर्यटकों को बेहतर नागरिक सुविधाएं और शहर के सौन्दर्यकरण के लिए स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत विकास कार्य करवाए जाएंगे। जिला कलक्टर काना राम की अध्यक्षता में गुरुवार को हुई उच्च स्तरीय बैठक में इस पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में नगर परिषद के सभापति सुनील तिलकर, यूआईटी चेयरमैन गौरव बुडानिया, नगर परिषद आयुक्त देवेन्द्र जिंदल, कोटा स्मार्ट सिटी लिमिटेड के अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अभियंता उपस्थित थे। इस दौरान कलक्टर ने हमीर सर्किल से वन विभाग की सीमा तक रणथम्भोर रोड के चौड़ाईकरण और सौंदर्यकरण करवाने, बिजली की तारों को भूमिगत करने तथा इस पर जन सुविधाओं के विकास के लिए विस्तृत प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। इसी के साथ, हमीर सर्किल से पुलिस लाइन तक के मुख्य मार्ग पर डिवाइडर के निर्माण, बिजली की तारों को भूमिगत करने, फुटपाथ पर इंटरलॉकिंग टाइल और रोडलाइट व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए भी प्रस्ताव बनाने को कहा। कलक्टर ने बताया कि स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत शहर के बीचोंबीच स्थित महावीर पार्क के आधुनिकीकरण के साथ सिटी पार्क के रूप में विकसित किया जाएगा तथा इसे इंदिरा मैदान के साथ जोड़ा जाएगा। साथ ही, इंदिरा मैदान में एक चौपाटी अथवा फूड कोर्ट का निर्माण किया जाएगा। बैठक में सब्जी मंडी को स्थानांतरित करने तथा एकीकृत सिटी बस स्टैन्ड को नई जगह पर विकसित करने पर विचार किया गया। काना राम ने कहा कि स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत सवाई माधोपुर सर्किट हाउस के लिए भी विकास योजना बनाई जाएगी। उन्होंने भैंरू दरवाजा के जीर्णोद्धार तथा शहरी क्षेत्र में भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर जरूरत के अनुसार सामुदायिक शौचालयों का निर्माण और उनके समुचित रख-रखाव के लिए निर्देश दिए।

प्रदेश सरकार के 02 वर्ष के उपलक्ष में गरिमापूर्ण ढंग से हों सभी आयोजन

सभी विभागों की रहे सक्रिय भागीदारी : सुराणा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने शुक्रवार को जिला परिषद सभागार में 02 वर्षों के उपलक्ष में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों तथा सड़क सुरक्षा को लेकर बैठक में जागरूकता गतिविधियों को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस मौके पर जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार के 02 वर्ष के उपलक्ष्य में सभी आयोजन गरिमापूर्ण ढंग से आयोजित किए जाएं तथा सभी विभागों की सक्रिय भागीदारी रहे। प्रत्येक गतिविधि में सभी विभाग सौंपे गए दायित्वों का समुचित निर्वहन करें। प्रत्येक गतिविधि में विभागीय मशीनरी की समुचित भागीदारी सुनिश्चित की जाए तथा समयबद्ध ढंग से गतिविधियां संपादित हों ताकि प्रभावी व जनसहभागितापूर्ण आयोजन से शासन—प्रशासन की योजनाओं और प्रयासों का व्यापक संदेश आमजन तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि निर्देशानुसार प्रदेश सरकार के 02 वर्षों के उपलक्ष में निर्धारित शेड्यूल के अनुसार सभी गतिविधियां आयोजित हों। ग्रामीण व शहरी सेवा शिविरों के फॉलो— अप शिविरों में आमजन से विभिन्न सेवाओं को लेकर प्राप्त आवेदनों तथा लंबित प्रकरणों का निस्तारण करें। इसी के साथ स्वच्छता गतिविधियों, श्रमदान, जिला स्तरीय प्रदर्शनी व विकास पुस्तिका के प्रकाशन, रथ यात्रा, रन फॉर राजस्थान, गौसेवा, निराश्रित पशुओं को गौशाला में भिजवाने, सड़क सुरक्षा गतिविधियों, सुशासन दिवस को लेकर आयोजन की पूर्व तैयारी सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समय पर संपादित की जाएं। सीईओ श्वेता कोचर ने जिला स्तर से रथयात्रा रवानगी, जिला स्तरीय प्रदर्शनी को लेकर विभिन्न बिन्दओं पर चर्चा की। इस दौरान एडीएम अर्पिता सोनी, एएसपी सुनील कुमार सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा को लेकर आयोजित हो प्रभावी गतिविधियां

जिला कलक्टर ने सड़क सुरक्षा को लेकर बैठक में जागरूकता कार्यक्रमों पर विशेष जोर देते हुए कहा कि प्रभावी ढंग से सड़क सुरक्षा गतिविधियां आयोजित की जाएं। आमजन में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विभागीय स्तर पर विभिन्न प्रचार-प्रसार गतिविधियां संचालित की जाएं, जिससे दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा जागरूकता केवल औपचारिकता नहीं बल्कि जीवन रक्षा का दायित्व है। इसलिए विभाग ऐसे कार्यक्रम तैयार करें जो आमजन विशेषकर युवाओं, विद्यार्थियों और वाहन चालकों में नियमों के प्रति जिम्मेदारी का भाव उत्पन्न करें। सुराणा ने कहा कि दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सड़क सुरक्षा सप्ताह, जागरूकता गतिविधियां, यातायात नियमों की पालना, रिफ्लेक्टर टेप लगाने, निराश्रित पशुओं को गौशाला में भिजवाने, गुड सेमेरिटन योजना का व्यापक प्रचार—प्रसार जैसी गतिविधियां प्रभावी ढंग से संचालित की जानी चाहिए। उन्होंने पुलिस, परिवहन, शिक्षा, सानिवि, चिकित्सा विभाग को बेहतर समन्वय स्थापित कर प्रभावी सड़क सुरक्षा गतिविधियों के निर्देश दिए। उन्होंने सानिवि व सड़क एजेंसियों को निर्देश दिए कि राजमार्गों पर इंजीनियरिंग डिफेक्ट्स को दुरूस्त करें तथा ब्लैक स्पॉट आदि पर साइनेज, संकेतक, रोशनी आदि की समुचित व्यवस्था करें। दुर्घटनावार तथा दुर्घटना के दिन व समय का एनालिसिस करते हुए उपचारात्मक कदम उठाएं। पुलिस विभाग द्वारा अवैध पार्किंग, अतिक्रमण, ओवरस्पीडिंग व यातायात नियमों की अवहेलना करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की जाए।

डीटीओ नरेश कुमार बसवाल ने गतिविधियों की जानकारी दी।

शहरी व ग्रामीण सेवा शिविर 17 से

बारां (रॉयल पत्रिका)। वर्तमान सरकार के 2 वर्ष के कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शहरी व ग्रामीण नागरिकों के कठिनाइयों के निवारण तथा विभिन्न सेवाएं प्रदान करने एवं जनसमस्या समाधान के लिए शहरी व ग्रामीण सेवा शिविर 17 दिसम्बर से 24 दिसम्बर तक रविवार का दिन छोड़कर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों का आयोजन प्रत्येक नगरीय निकाय व प्रत्येक भू-अभिलेख निरीक्षक वृत्त मुख्यालय पर किया जाएगा। शिविर का समय प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक रहेगा।

विद्या बालन ने 'द डर्टी पिक्चर' 14 साल का जश्न

14 साल पहले 'द डर्टी पिक्चर' सिर्फ़ रिलीज़ नहीं हुई थी, बल्कि उसने बॉक्स ऑफिस और दर्शकों की सोच, दोनों पर कब्ज़ा कर लिया था।

मिलन लूथरिया की यह फ़िल्म एक तूफ़ान की तरह आई और इसने उन सभी अनकहे नियमों को तोड़ डाला, जो सालों से महिला-केंद्रित फ़िल्मों पर लागू होते थे। इस फ़िल्म ने मेनस्ट्रीम फिल्मों में महिलाओं की जगह को न सिर्फ परिभाषित किया, बल्कि विद्या बालन को भारतीय सिनेमा की सबसे निडर और परिवर्तनकारी कलाकारों में शामिल भी कर दिया। 'सिल्क' के किरदार में विद्या ने जिस तरह स्त्री मन की इच्छाओं, कोमलताओं, महत्वाकांक्षाओं और बेफिक्री को आत्मविश्वास से अपनाया, वो आज भी काबिले गौर है। उस वर्ष की राष्ट्रीय पुरस्कार के साथ फिल्मफेयर और ढेर सारे पुरस्कारों को जीतनेवाली इस फिल्म ने उस दौर में एक मापदंड बनाया, जिससे यह साबित हो गया कि कंटेंट-ड्रिवन, महिला-केंद्रित कहानियाँ भी बॉक्स ऑफिस पर राज कर सकती हैं। यही वजह है कि डायलॉग, संगीत और फ़िल्म की बिंदास कहानी ने 'द डर्टी पिक्चर' न सिर्फ एक पॉप-कल्चर फेनोमेना बनाया, बल्कि एक ऐसा 'मील का पत्थर' बनाया जिसके डायलॉग्स 14 साल बाद भी, सोशल मीडिया, रील्स, मीम्स और आम बातचीत में बार-बार दोहराई जाती हैं। तो आइए फिल्म की 14वीं सालगिरह के मौके पर आइए एक बार फिर दोहराते हैं, 'द डर्टी पिक्चर' के टॉप 5 आइकॉनिक डायलॉग्स, जिसने इस फिल्म को एक कल्ट क्लासिक बना दिया।

'कुछ लोगों का नाम उनके काम से होता है। मेरा बदनाम होकर हुआ है। यह डायलॉग सिल्क के सच्चे, बिंदास और विद्रोही तेवर को पहली ही झलक में सामने लेकर आता है। यही वजह है कि ट्रेलर के साथ वायरल हो चुकी इस लाइन ने सिल्क की पहचान को बिना फिल्टर, बिना डर के परिभाषित किया था। 'फ़िल्में सिर्फ़ तीन चीज़ों की वजह से चलती हैं... एंटरटेनमेंट, एंटरटेनमेंट, एंटरटेनमेंट... और मैं एंटरटेनमेंट हूँ। '

दीपिका की जगह कल्कि-2 में नजर आ सकती है प्रियंका

'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल को लेकर सुर्खियां लगातार बनी हुईं हैं. पहली फिल्म ने 1000 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर तहलका मचा दिया था. अब फैंस की निगाहें इसके दूसरे पार्ट पर अटकी हैं. जिसमें दीपिका पादुकोण की जगह अब ये एक्ट्रेस नजर आएंगी. प्रभास की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल को लेकर लगातार माहौल गरम बना हुआ है.

2024 में रिलीज हुई पहली फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर बॉक्स ऑफिस पर नोटों की बारिश कर दी थी. अब फैंस की निगाहें इसके दूसरे पार्ट पर है, इस बीच दीपिका पादुकोण के फिल्म छोड़ने की खबर ने फैंस को उदास कर दिया था, जिससे मेकर्स को भी बड़ा झटका लगा. जिसके बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि अब आखिर दीपिका की जगह कौन लेगा? तो फैंस के लिए गुड न्यूज है, क्योंकि अब इस लिस्ट में एक बड़ा नाम जुड़ने जा रहा है और वो ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा हैं. मीडिया के मुताबिक, मेकर्स का मानना है कि फिल्म की इंटरनेशनल अपील को देखते हुए प्रियंका चोपड़ा सबसे बेहतर विकल्प साबित हो सकती हैं. उनके ग्लोबल फैनबेस और इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स की वजह से मूवी को वर्ल्ड लेवल पर प्रोफिट हो सकता है. सबसे खास बात तो ये है कि देसी गर्ल पहले ही राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में महेश बाबू के साथ नजर आने वाली हैं, जिसमें वह 'मंदाकिनी' के रोल में दिखेंगी. जिसकी लॉन्चिंग पर प्रियंका खूब सुर्खियों में थीं.

हालांकि, दीपिका के इस किरदार के लिए साई पल्लवी, अनुष्का शेट्टी और आलिया भट्ट के नाम भी सामने आ चुके हैं. अनुष्का के साथ प्रभास पहले ही बड़ी स्क्रीन पर फिल्म 'बाहुबलि' से धमाल मचा चुके हैं, तो वहीं आलिया से मेकर्स की बातचीत की खबर भी सामने आई, क्योंकि आलिया 'आरआरआर' में नजर आ चुकीं हैं, जो फिल्म के लिए काफी मजबूत दावेदार मानी जा रहीं हैं. डायरेक्टर नाग अश्विन ऐसी एक्ट्रेस चाहते हैं जो प्रभास की स्टार पावर के बराबर दिखाई दे और फ्रेंचाइजी को नई ऊंचाई दे सके. दूसरी ओर प्रियंका की 'वाराणसी' में फीस भी चर्चा में है.

एआई जेनरेटेड अश्लील फोटोज पर रश्मिका ने जताई नाराजगी

रश्मिका मंदाना ने एआई के बढ़ते दुरुपयोग पर नाराजगी जताई है। उन्होंने महिलाओं की अश्लील तस्वीरें बनाने और उन्हें फैलाने वालों को कड़ी सजा देने की मांग की है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के बढ़ते प्रयोग से बॉलीवुड भी काफी चिंतित है। वजह है एआई का गलत इस्तेमाल करके सेलेब्स के फेक और अश्लील फोटोज व वीडियोज बनाए जा रहे हैं, जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल होते हैं। इसको लेकर अब अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने नाराजगी जताई है। रश्मिका ने अपने एक्स अकाउंट पर एआई-जनरेटेड कंटेंट के संचालन में जवाबदेही और जिम्मेदारी की अपील की है। अपनी पोस्ट में रश्मिका ने जागरूकता और नैतिक उपयोग की आवश्यकता पर बात की। उन्होंने इसे एक नैतिक पतन बताया, जिसका सामना करना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि इंटरनेट एक ऐसी जगह बन गया है जहां मनगढ़ंत सीन को आसानी से असली बताकर पेश किया जा सकता है।

गुवाहाटी में होगा तीसरा फिल्म फेस्टिवल

असम के गोवाहाटी में तीसरा नॉर्थईस्ट इंटरनेशनल डॉक्यूमेंट्री एंड फिल्म फेस्टिवल होने जा रहा है। इस फेस्टिवल में 15 देशों से फिल्मों की प्रविष्टियां शामिल हुई हैं। पूर्वोत्तर भारत के सिनेमा को वैश्विक मंच देने वाला नॉर्थईस्ट इंटरनेशनल डॉक्यूमेंट्री एंड फिल्म फेस्टिवल इस साल अपने तीसरे संस्करण के साथ लौट रहा है। 13 दिसंबर को गुवाहाटी स्थित ज्योति चितरबन फिल्म स्टूडियो में होने वाला यह महोत्सव न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय फिल्मों को एक मंच पर लाएगा, बल्कि पूर्वोत्तर की समृद्ध सांस्कृतिक पहचान को भी दुनिया के सामने पेश करेगा।

सांस्कृतिक धड़कन को समर्पित ये आयोजन: यह फेस्टिवल पहले दुर्गापुर में शुरू हुआ था और लंबे समय तक रेडकार्डिनल मोशन पिक्चर्स की ओर से आयोजित होता रहा। इस बार यह आयोजन एक नए विस्तार के साथ सामने आ रहा है, क्योंकि फेस्टिवल पहली बार अखाड़ा घर सिने सोसाइटी के सहयोग से मनाया जा रहा है। यह सहयोग दिवंगत संगीतकार, अभिनेता और सांस्कृतिक प्रतीक जुबिन गर्ग को समर्पित है, जिनकी कला और विरासत ने असम और पूरे पूर्वोत्तर में संगीत की नई दिशा दिखाई।

15 देशों से आई प्रविष्टियां

फेस्टिवल को इस बार दुनिया के 15 देशों से फिल्मों की प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। इनमें अमेरिका, ब्रिटेन, स्पेन, जापान, जर्मनी और ऑस्ट्रेलिया जैसे प्रमुख फिल्म उद्योग वाले देश शामिल हैं। कुल 162 फिल्मों में से एक अंतरराष्ट्रीय जूरी ने 40 फिल्मों को अंतिम चरण के लिए चुना है। यह चयन इस बात का प्रमाण है कि फेस्टिवल अब सिर्फ क्षेत्रीय आयोजन नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त मंच बन चुका है।

रानी चटर्जी की

'हम हई जेठानी' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर

भोजपुरी सिनेमा के दर्शकों के लिए खुशखबरी है, क्योंकि अभिनेत्री रानी चटर्जी की फिल्म 'हम हई जेठानी' का जल्द ही वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर होने जा रहा है। मंगलवार को अभिनेत्री रानी चटर्जी ने इंस्टाग्राम के जरिए इस बात की जानकारी दी।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म की झलक शेयर की, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 'फिल्म 'हम हई जेठानी' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर 6 दिसंबर शाम 5:30 बजे से शुरू होकर 7 दिसंबर सुबह 9:30 बजे तक रहेगा।' अनिल नैनन द्वारा निर्देशित फिल्म 'हम हई जेठानी' का निर्माण संदीप सिंह और नीलाभ तिवारी ने किया है। फिल्म में रानी के अलावा, खुशी झा, सोनाली मिश्रा, अयाज खान, प्रेम दुबे, रितेश उपाध्याय, गोलू तिवारी, रागिनी यादव, लोटा तिवारी, और प्रकाश जैस हैं। बाल कलाकार के रूप में हर्ष राज और आदर्श गोयल भी फिल्म का हिस्सा हैं। मेकर्स ने पहले ही फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। 4 मिनट 6 सेकंड के ट्रेलर में पारिवारिक होने के साथ-साथ घर में संपत्ति के लिए हो रही साजिश के इर्द-गिर्द कहानी घूमती है।

ट्रेलर की शुरुआत में दिखाया गया है कि रानी मां बनने की चाह रखती है, लेकिन कुछ कारणों से मां नहीं बन सकती है। इसके बाद परिवार की झलक दिखाई जाती है, जिसमें उनके दो देवर और देवरानी मिलकर रानी और उनके पति की सेवा करते हैं। वहीं, रानी भी अपनी देवरानी के बच्चों को अपने बच्चों की तरह पालती है।

कहानी में ट्विस्ट तब आता है, जब पता चलता है कि अभिनेत्री मां बनने वाली हैं। इसके बाद उनके घर के हर सदस्य का असली रूप देखने को मिलता है। वे रानी को परेशान करने के लिए कई सारे तरीके आजमाते हैं। फिल्म के गाने और डायलॉग काफी दमदार हैं। इसके अलावा, अभिनेत्री जल्द ही फिल्म 'यूपी वाली-बिहार वाली' में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है।

राधिका आप्टे की सस्पेंस थ्रिलर साली मोहब्बत सीधे ओटीटी पर

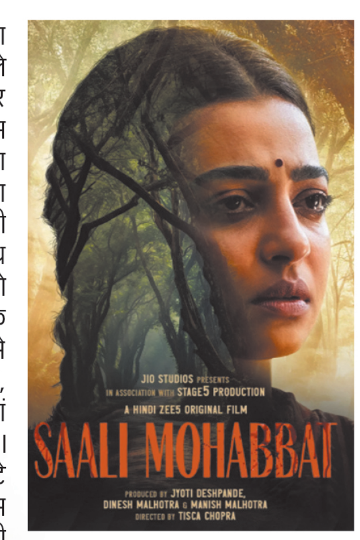

ओटीटी पर अच्छी फिल्मों का बेसब्री से इंतजार करने वाले फैन्स के लिए एक अच्छी खबर है। राधिका आप्टे की सस्पेंस थ्रिलर फिल्म साली मोहब्बत का अब वो घर बैठे ही लुत्फ उठा सकते हैं। एक ऐसी कहानी जिसमें कहानी के साथ सस्पेंस और भी गहरा हो जाता है और दर्शक आखिरी तक कहानी से बंधे रहते हैं। जानें, किस दिन और कहां हो रही रिलीज। राधिका आप्टे सस्पेंस थ्रिलर साली मोहब्बत ओटीटी पर फिल्मों के शौकीनों के लिए एक अच्छी खबर है। राधिका आप्टे की सस्पेंस थ्रिलर साली मोहब्बत अब सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने जा रही है। यह फिल्म 55वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (आईएफएफआई) में प्रीमियर हो चुकी है और अब आम दर्शक भी इसे अपने घर पर आराम से देख पाएंगे। फिल्म को टिस्का चोपड़ा ने डायरेक्ट किया है, वहीं जियो स्टूडियोज और मनीष मल्होत्रा के स्टेज5 प्रोडक्शन ने मिलकर इसका निर्माण किया है। फिल्म की कहानी छोटे से शहर में रहने वाली स्मिता (राधिका आप्टे) के इर्द-गिर्द घूमती है। वह शांत जीवन जीती है, लेकिन उसकी जिंदगी जैसी दिखती है, वैसी नहीं है। अचानक शहर में एक दोहरे हत्याकांड के बाद उसकी दुनिया हिल जाती है। धीरे-धीरे वह झूठ, बेवफाई, विश्वासघात और हत्या के जाल में उलझती जाती है। जांच के दौरान पता चलता है कि इस केस में कोई भी इंसान वैसा नहीं, जैसे दिखता है।

कहानी स्मिता में उलझ जाती है तनाव, छिपे हुए रिश्ते, और पुराने मकसद सामने आते हैं। स्मिता को न केवल शहर में फैलते अराजकता का सामना करना पड़ता है, बल्कि अपनी मानसिक परेशानी से भी जूझना पड़ता है। अंत तक दर्शकों को यह जानने की उत्सुकता बनी रहती है कि क्या स्मिता केवल एक दर्शक है, या सच में वह कुछ बड़ा छुपा रही है।

12 दिसंबर को हो रही रिलीज

साली मोहब्बत फिल्म उन दर्शकों के लिए एक बेहतरीन विकल्प है जो सस्पेंस, थ्रिलर और रहस्यपूर्ण कहानियों को पसंद करते हैं। यह 12 दिसंबर से जी5 पर स्ट्रीम होगी।

जान्हवी कपूर ने सोशल मीडिया पर उठाए सवाल, बोलीं-

अब मानवता नहीं रही

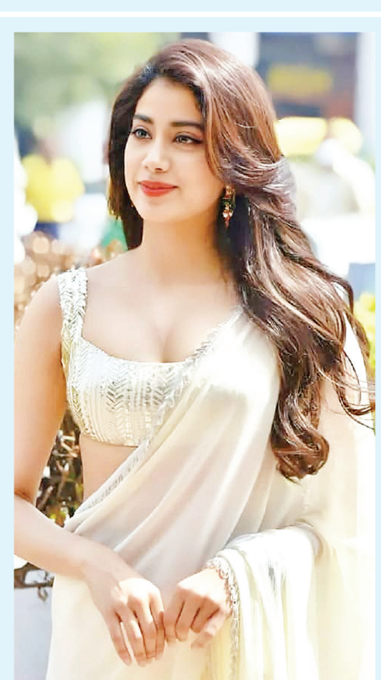

अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने सेलेब्स की मौतों को सनसनीखेज बनाने के लिए सोशल मीडिया और मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। अपनी मां श्रीदेवी और हाल ही में दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के निधन का जिक्र करते हुए, जान्हवी ने गलत खबर चलाने वालों को भी निशाने पर लिया। उन्होंने सेलेब्स के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बात की, जब उनकी जिंदगियां सार्वजनिक हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान मीडिया का माहौल अक्सर हानिकारक सुर्खियों और कहानियों को बढ़ावा देता है।

हमने देखा धरमजी के साथ क्या हुआ

वी द वीमेन 2025 कार्यक्रम में बोलते हुए जान्हवी ने ये भी कहा कि कहीं न कहीं इस समस्या के लिए सेलेब्रिटीज भी जिम्मेदार हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि हमने देखा कि धरमजी के साथ क्या हुआ और ऐसा पहले भी कई बार हुआ है। मुझे यकीन है कि यह और भी बदतर होगा। मुझे लगता है कि हम इस समस्या का हिस्सा हैं। हर बार जब हम वीडियो, हेडलाइन या कहानियां - व्यूज़, कमेंट्स, लाइक्स - देते हैं, तो हम इस संस्कृति को बढ़ावा दे रहे होते हैं।

मां श्रीदेवी के निधन का किया जिक्र

जान्हवी ने कहा कि मीडिया में जिस तरह से मेरी मां के निधन को दिखाया गया, उससे मेरा दुःख और भी गहरा हो गया। जब मैंने अपनी मां को खोया, तो यह बहुत बुरा था। मुझे नहीं पता कि आप सब सोच भी सकते हैं कि अपने किसी इतने करीबी को खोना और उसे मीम बनते देखना कैसा होता है। मुझे यह भी नहीं पता कि इसे कैसे समझाऊं, लेकिन यह और भी बुरा हो गया है। मैं मां के निधन के बारे में सार्वजनिक रूप से बात करने से बचती हूं, इस डर से कि लोग सोचेंगे कि वह सुर्खियां बटोरने के लिए इसका इस्तेमाल कर रही हैं। उस दौरान मैं जिस एहसास और दौर से गुज़री, उसे मैं कभी शब्दों में बयां नहीं कर पाऊंगी। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं कि ऐसा लगे कि मैं अपनी जिंदगी के इतने दर्दनाक हिस्से को सुर्खियां बनाने के लिए इस्तेमाल कर रही हूं।

हमने अपनी नैतिकता खो दी

सोशल मीडिया पर निशाना साधते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि सोशल मीडिया ने मानव नैतिकता को पूरी तरह से पटरी से उतारने में अकेले योगदान दिया है। मौजूदा वक्त में मानव नैतिकता चरमरा गई है और यह निराशाजनक है। पहले हमारे पास एक चेतना थी जो हमें कुछ चीजें देखने या कहने से रोकती थी, लेकिन अब वह बात नहीं रही। यह आज का संकट है कि हमने अपनी नैतिकता खो दी है। कोई मर जाता है, कोई भयानक हमला होता है और आप उन चीजों को देखना चाहते हैं जो आपको नहीं देखनी चाहिए। सोशल मीडिया के जरिए इसे बहुत बढ़ावा दिया गया है।

पेद्दी में नजर आएंगी जान्हवी

वर्कफ्रंट की बात करें तो जान्हवी आखिरी बार 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में नजर आई थीं। अब वो साउथ सुपरस्टार राम चरण के साथ तेलुगु फिल्म 'पेद्दी' में नजर आएंगी।

साभार एजेंसी

आंद्रे रसेल ने किया खुलासा

आईपीएल में सबसे मुश्किल गेंदबाज कौन?

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल से संन्यास लेने के बाद केकेआर के दिग्गज ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने अपने करियर का सबसे कठिन गेंदबाज चुनते हुए बड़ा खुलासा किया है। रसेल के मुताबिक, मुंबई इंडियंस के स्टार पेसर जसप्रीत बुमराह ने हमेशा उन्हें चुनौती दी और उन्हें कई बार आउट भी किया।

'मेरे क्रीज पर आते ही बुमराह गेंदबाज़ी करने लगते थे : सीज़न 14 साल खेलने के बाद आईपीएल से रिटायर हुए 37 वर्षीय रसेल ने कहा कि बुमराह के खिलाफ बल्लेबाजी करना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा। रसेल ने कहा, 'आईपीएल में मेरे सामने आने वाले सबसे मुश्किल गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह हैं। जैसे ही मैं बैटिंग करने आता हूं, वह गेंद थमा देते हैं। उन्होंने मुझे कई बार आउट किया है, लेकिन मैंने भी उन्हें कुछ शानदार शॉट्स मारे हैं। मुझे ऐसी चुनौतियाँ पसंद हैं। वह दुनिया के सबसे बेहतरीन टी20 गेंदबाज़ों में से एक हैं।'

बुमराह ने रसेल को आईपीएल में 4 बार किया आउट: जसप्रीत बुमराह ने रसेल को चार बार आउट किया है। रशिद खान, क्रिस मॉरिस और शार्दुल ठाकुर ने भी रसेल को 4-4 बार आउट किया है।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलना हमेशा रोमांचक: रसेल: रसेल ने बताया कि उन्हें आईपीएल में सबसे ज्यादा मुकाबला मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलने में मज़ा आता था। उन्होंने कहा– 'मैं ज्यादातर टीमों के खिलाफ खेलना पसंद करता हूं, लेकिन स्व्ह्रु के खिलाफ हमेशा असली फाइट होती है–चाहे वे कोलकाता आएं या हम वानखेड़े जाएं। उनके खिलाफ खेलना एक अलग ही रिंग में उतरने जैसा होता है।'

नेशंस लीग फुटबॉल:

स्पेन ने जीता महिला नेशंस लीग का खिताब, फाइनल में जर्मनी को 3-0 से हराया

मैड्रिड, एजेंसी। एटलेटिको मैड्रिड के मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में खेले गए इस मैच में लगभग 56,000 दर्शक मौजूद थे जो घरेलू मैदान पर स्पेनिश टीम के लिए एक रिकॉर्ड है।

क्लाउडिया पिना के दो गोल की बदौलत स्पेन ने मंगलवार को महिला नेशंस लीग के फाइनल के दूसरे चरण में जर्मनी को 3-0 से हराकर अपना खिताब बरकरार रखा। इन दोनों टीम के बीच फाइनल का पहला चरण गोलरहित बराबरी पर छूटा था। इस कारण दोनों टीम के लिए दूसरे चरण का मैच महत्वपूर्ण बन गया था। स्पेन ने शुरू से ही मैच पर दबदबा बना दिया था।

22 साल के अर्जुन ने विश्वनाथन आनंद को दी मात

जेरूशलम मास्टर्स का जीता खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के 22 वर्षीय युवा ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने जेरूशलम मास्टर्स के फाइनल में हमवतन और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को हराकर सभी को हैरान कर दिया है। इस शानदार जीत के बाद अर्जुन ने जेरूशलम मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीता। इन दोनों खिलाड़ियों ने शुरुआती रैपिड गेम ड्रॉ किए। इसके बाद एरिगैसी ने पहले ब्लिट्ज टाईब्रेक मैच में सफेद मोहरों से जीत हासिल कर निर्णायक बढ़त हासिल कर ली। संन्यास के बाद रोहित शर्मा की अब इस टी20 टीम से खेलने की इच्छा, जानें हिटमैन कब उतर सकते हैं मैदान पर? 'चेसबेस डॉट कॉम' की रिपोर्ट के अनुसार 22 वर्षीय अर्जुन एरिगैसी दूसरे ब्लिट्ज मुकाबले में भी जीत हासिल करने के करीब पहुंच गए थे लेकिन आखिर में उन्हें ड्रॉ से ही संतोष करना पड़ा था। लेकिन यह उनके लिए 2.5-1.5 से मुकाबला और खिताब जीतने के लिए पर्याप्त था। अर्जुन एरिगैसी ने इस बेहतरीन जीत के बाद कहा, ''यह जीत आसान नहीं थी। मेरे सामने कई चुनौतियां थी और मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी नहीं कर पाया। इसके बावजूद खिताब हासिल करके मैं बहुत खुश हूं। आज के दोनों मुकाबले (पीटर स्विडलर और फिर आनंद के खिलाफ) काफी तनावपूर्ण रहे। आनंद सर के खिलाफ पहले गेम में हम दोनों ने मौके गंवाए। लेकिन मुझे लगता है कि ब्लिट्ज़ में मैंने अच्छा प्रदर्शन किया।

23 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त

मिचेल स्टार्क बने टेस्ट इतिहास के सबसे सफल लेफ्ट-आर्म तेज गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर खेले जा रहे पिंक-बॉल टेस्ट की पहली ही दिन रिकॉर्ड बुक को हिला दिया। इंग्लैंड के उप-कप्तान हैरी ब्रुक को आउट करते ही स्टार्क टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले लेफ्ट-आर्म तेज गेंदबाज बन गए। उन्होंने पाकिस्तान के महान गेंदबाज वसीम अकरम का 23 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

स्टार्क की रिकॉर्ड-ब्रेकिंग स्पेल

पहले दिन स्टार्क ने शुरुआत से ही इंग्लैंड के बल्लेबाज़ों पर कहर बरपा दिया। पहली ओवर में बेन डकेट को गोल्डन डक पर चलता किया। दूसरे ओवर की तीसरी गेंद पर ओली पोप को भी बिना खाता खोले आउट किया और दूसरे सेशन में हैरी ब्रुक का विकेट लेकर इतिहास रच दिया। यह विकेट उनका तीसरा शिकार था और इसी के साथ वह लेफ्ट-आर्म पेसरों में नंबर-1 बन गए।

23 साल पुराना रिकॉर्ड टूटा

वसीम अकरम ने 104 टेस्ट में 414 विकेट लिए थे। स्टार्क ने यह उपलब्धि अपने 102वें टेस्ट में हासिल कर ली और वर्तमान में टेस्ट के सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज़ों की सूची में 16वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

अगला निशाना—लेफ्ट-आर्म गेंदबाज़ों में सर्वाधिक विकेट

स्टार्क अब श्रीलंका के दिग्गज रंगना हेराथ (433 विकेट) को पछाड़कर लेफ्ट-आर्म गेंदबाज़ों में भी सर्वकालिक नंबर-1 बनने के बेहद करीब हैं। इसके अलावा वे जल्द ही हरभजन सिंह (417 विकेट), शॉन पॉलक (421 विकेट) को भी पीछे छोड़ सकते हैं।

लियाम लिविंगस्टोन का शारजाह में तूफानी धमाका एक ओवर में ठोके 5 छक्के

नई दिल्ली, एजेंसी। शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में लियाम लिविंगस्टोन ने वह कर दिखाया जिसे देखकर दर्शक भी दंग रह गए. इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज ने अपने पहले ही मैच में विश्व आईएलटी-20लीग का रंग जमा दिया. अबू धाबी नाइटराइडर्स के लिए खेलते हुए लिविंगस्टोन ने सिर्फ 38 गेंदों पर 82 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 8 छक्के और 2 चौके शामिल थे. उनके शानदार प्रदर्शन की बदौलत टीम ने 233/4 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो इस लीग के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है.

आखिरी ओवर में मचा कहर

लिविंगस्टोन की पारी का सबसे रोमांचक हिस्सा आखिरी ओवर रहा. ड्वेन प्रीटोरियस गेंदबाजी करने आए और पहली गेंद खाली निकालकर राहत की सांस ही ले रहे थे कि अगले ही पलों में उनका सब्र टूट गया. लिविंगस्टोन ने दूसरी से छठी गेंद तक लगातार 5 छक्के जड़कर ओवर में 33 रन कूट दिए. इस ओवर ने न सिर्फ उनकी पारी को नई ऊंचाई दी, बल्कि मैच का पूरा मोमेंटम भी नाइटराइडर्स के पक्ष में कर दिया.

टेस्ट क्रिकेट में 6,000 रन बनाने वाले न्यूज़ीलैंड के पांचवें बल्लेबाज बने टॉम लैथम

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेले जा रहे तीन टेस्ट मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट के तीसरे दिन न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने अपने करियर में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की।

शतकीय पारी खेलने वाले लैथम न्यूजीलैंड की तरफ से टेस्ट क्रिकेट में 6,000 रन पूरे करने वाले पांचवें बल्लेबाज बने। टॉम लैथम ने दूसरी पारी में 250 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 145 रन की पारी खेली। इस पारी के दौरान 142वां रन बनाते ही उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने 6,000 रन पूरे कर लिए। 33 साल के लैथम ने अब तक अपने करियर में 89 टेस्ट मैचों की 160 पारियों में 14 शतक और 31 अर्धशतक लगाते हुए 38.98 की औसत से 6,003 रन बनाए हैं।

उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 264 रन रहा है। लैथम का वनडे में भी शानदार रिकॉर्ड है। 163 वनडे मैचों की 150 पारियों में 8 शतक और 26 अर्धशतक लगाते हुए वे 4,464 रन बना चुके हैं।

उनका सर्वाधिक स्कोर नाबाद 145 रन है। न्यूजीलैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने बनाए हैं। 106 टेस्ट मैचों की 188 पारियों में 33 शतक और 38 अर्धशतक लगाते हुए विलियमसन ने 9,337 रन बनाए हैं।

दूसरे स्थान पर पूर्व कप्तान रॉस टेलर

टेलर ने 2007 से 2022 के बीच 112 टेस्ट में 19 शतक और 35 अर्धशतक की मदद से 7,683 रन बनाए हैं। स्टीफन फ्लेमिंग तीसरे स्थान पर हैं। पूर्व कप्तान ने 1994 से 2008 के बीच 9 शतक और 46 अर्धशतक की मदद से 7,172 रन बनाए। चौथे स्थान पर पूर्व कप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रेंडन मैक्कुलम हैं। मैक्कुलम ने 2004 से 2016 के बीच 101 टेस्ट मैचों की 176 पारियों में 12 शतक और 31 अर्धशतक लगाते हुए 6,453 रन बनाए। न्यूजीलैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में 6,000 या उससे अधिक रन बनाने वाले सभी बल्लेबाज कप्तान रहे हैं।

359 का झनझनाता टारगेट... और भारतीय गेंदबाजी का सिस्टम क्रैश!

नई दिल्ली, एजेंसी। 358 रनों का पहाड़ खड़ा किया भारत ने, लेकिन जैसे ही दक्षिण अफ्रीका ने 359 का पीछा शुरू किया, गेंदबाजी रास्ते में कहीं खो गई. विराट कोहली और ऋतुराज गायकवाड़ ने एक के बाद एक शतक ठोककर ऐसा बल्लेबाजी तमाशा पेश किया कि लगा मैच भारत के कब्जे में है. फिर भी क्रिकेट की यही खूबसूरती है- जब रन बड़े हों, तब भी जीत सुनिश्चित नहीं होती. दक्षिण अफ्रीका ने 359 का पीछा नहीं किया, उसका आनंद लिया.

बिना 'बिग थ्री' के अटैक बेदम

एडेन मार्करम का शतक भारतीय गेंदबाजों की बेबसी पर बयान था, जबकि मैथ्यू ब्रीट्जके और डेवाल्ड ब्रेविस ने रन ऐसे बटोरे जैसे उन्हें रोकने का कोई सवाल ही नहीं. गेंदबाजी की हर योजना, हर बदलाव और हर ओवर... साउथ अफ्रीका के आत्मविश्वास के सामने फीका पड़ता गया. पूरे मैच में भारतीय गेंदबाजी न तो डर पैदा कर पाई, न ब्रेकथ्रू और न कोई ऐसा स्पेल फेंक सकी, जिसमें मैच का रुख पलटने की उम्मीद जगे. शुरुआत से ही गेंदबाज लाइन-लेंथ तलाशते ही रह गए और साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज बेरहमी से रन बटोरते रहे.

हालात फील्डरों ने भी नहीं सुधारे- कई आसान कैच फिसले, आउट बनाने वाले मौके हाथ से निकल गए और ग्राउंड फील्डिंग इतनी ढीली रही कि दबाव बनने का सवाल ही नहीं उठा.

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी:

वैभव सूर्यवंशी से नहीं बच पाए अर्जुन तेंदुलकर, 4 छक्के, 4 चौके के साथ ठोक दिए 46 रन

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बिहार और गोवा के मुकाबले में सभी की निगाहें वैभव सूर्यवंशी और अर्जुन तेंदुलकर की टक्कर पर जमीं थी. क्रिकेट फैंस के जहन में सवाल था कि जब ये दोनों आमने-सामने होंगे तो कौन किस पर भारी पड़ेगा. अब जवाब सामने है. वैभव सूर्यवंशी और अर्जुन तेंदुलकर के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर का नतीजा आ चुका है.

वैभव सूर्यवंशी के खिलाफ गोवा ने अपने 4 गेंदबाज आजमाए, जिसमें अर्जुन तेंदुलकर सबसे ज्यादा की स्ट्राइक रेट से पिटने वाले दूसरे गेंदबाज रहे. वैभव सूर्यवंशी ने अर्जुन तेंदुलकर की 10 गेंदों का सामना अपनी इनिंग में किया, जिसमें उन्होंने 150 की स्ट्राइक रेट से 15 रन बनाए. वैभव सूर्यवंशी ने अर्जुन तेंदुलकर के खिलाफ ये रन 3 चौके के साथ एक डबल और एक सिंगल लेते हुए बनाए.

अर्जुन से भी ज्यादा बुरी तरह वैभव ने इस गेंदबाज को पीटा

वैभव सूर्यवंशी ने अर्जुन तेंदुलकर से भी ज्यादा की स्ट्राइक रेट से गोवा के जिस गेंदबाज को पीटा, वो दीपराज गांवकर रहे. वैभव ने अपनी इनिंग में दीपराज की 5 गेंदों पर 300 प्लस की स्ट्राइक रेट से 16 रन बनाए, जिसमें 2 छक्के और 1 चौका शामिल रहा. आखिर में वैभव सूर्यवंशी का विकेट लेने में भी कामयाबी दीपराज गांवकर को ही मिली.

टीम इंडिया से बाहर होते ही रिंकू सिंह की तूफानी बैटिंग, 212 रनों तक पहुंची टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। रिंकू सिंह को टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए नहीं चुना लेकिन अब इस खिलाड़ी ने अपने बल्ले का दम दिखाया है. रिंकू सिंह ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप बी के मुकाबले में चंडीगढ़ के खिलाफ ताबड़तोड़ पारी खेली. उनकी इस पारी के दम पर ही यूपी की टीम 212 रनों तक पहुंची. रिंकू सिंह ने इस मैच में बनाए तो 24 रन लेकिन इसके लिए उन्होंने 10 गेंद खेली. खास बात ये है कि रिंकू सिंह ने अपनी इस पारी में दो छक्के-दो चौके लगाए.

रिंकू ने दिखाया जलवा

रंकू सिंह इस मुकाबले में पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे और उन्होंने अनुभवी तेज गेंदबाज संदीप शर्मा को आड़े हाथों लिया. संदीप की 5 गेंदों पर उन्होंने 13 रन बनाए जिसमें एक छक्का और एक चौका शामिल है. निखिल शर्मा की गेंद पर भी उन्होंने सिक्स जड़ा.

बता दें रिंकू सिंह को टी20 टीम से भी बाहर कर दिया गया है. साउथ अफ्रीका के खिलाफ 9 दिसंबर से सीरीज शुरू हो रही है और रिंकू को इससे बाहर क्यों रखा गया इसकी वजह भी नहीं बताई गई है.

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का भारत दौरा:

-भारत-रूस रिश्तों में नई मजबूती की उम्मीद

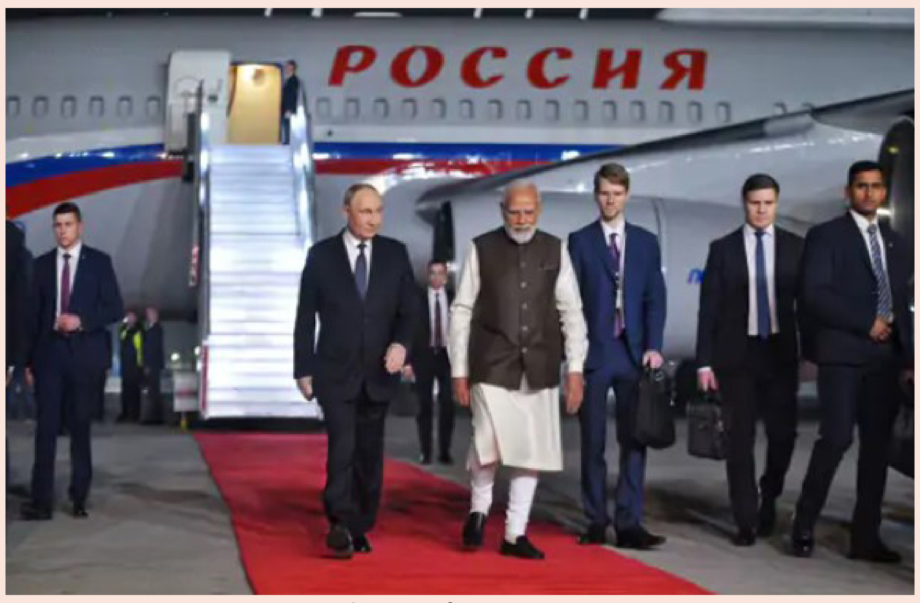

नई दिल्ली । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार शाम दो दिन की आधिकारिक यात्रा पर भारत पहुंचे। उनके साथ रूस के 7 वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों का बड़ा प्रतिनिधिमंडल भी आया है। यह दौरा भारत और रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिहाज़ से बेहद अहम माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच आज कई स्तरों पर महत्वपूर्ण बातचीत होने वाली है, जिनमें 25 से ज़्यादा द्विपक्षीय समझौतों पर सहमति बन सकती है। भारत पहुंचते ही दोनों देशों की घनिष्ठता का प्रतीकात्मक दृश्य भी देखने को मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं एयरपोर्ट पहुंचे और रूसी राष्ट्रपति पुतिन का गर्मजोशी से स्वागत किया। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे को गले लगाया और इसके बाद एक ही वाहन में बैठकर प्रधानमंत्री आवास की ओर रवाना हुए। यह दृश्य भारत-रूस के पुराने और भरोसेमंद रिश्तों को दर्शाता है।

राजकीय स्वागत और श्रद्धांजलि-

शुक्रवार सुबह 9 बजे राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति पुतिन का औपचारिक राजकीय स्वागत किया जाएगा। यह सम्मान किसी भी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष को दिया जाने वाला सर्वोच्च राजनयिक शिष्टाचार है। इसके बाद पुतिन राजघाट जाएंगे, जहां वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। यह कार्यक्रम दोनों देशों के ऐतिहासिक और नैतिक मूल्यों के प्रति सम्मान को दर्शाता है।

23वीं भारत-रूस वार्षिक शिखर बैठक-

सुबह 11 बजे नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में भारत-रूस की 23वीं वार्षिक शिखर बैठक आयोजित होगी। इस समिट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन आमने-सामने बातचीत करेंगे। बताया जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच एक खुली बैठक के साथ-साथ एक बंद कमरे में भी अहम चर्चा होगी, जिसमें वैश्विक राजनीति, सुरक्षा, ऊर्जा, रक्षा, व्यापार और क्षेत्रीय मुद्दों पर विस्तार से विचार किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, इस दौरान भारत और रूस के बीच 25 से अधिक समझौतों और एमओयू (MoU) पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। ये समझौते रक्षा सहयोग, ऊर्जा सुरक्षा, परमाणु ऊर्जा, तेल-गैस, व्यापार, तकनीक, साइंस एंड इनोवेशन, शिक्षा और अंतरिक्ष सहयोग जैसे क्षेत्रों से जुड़े हो सकते हैं।

रक्षा और ऊर्जा पर फोकस-

भारत-रूस संबंधों में रक्षा सहयोग हमेशा से एक अहम स्तंभ रहा है। भारत अपनी रक्षा जरूरतों में रूस का पुराना और भरोसेमंद साझेदार रहा है। इस दौरे के दौरान रक्षा उत्पादन, संयुक्त सैन्य अभ्यास, हथियारों की आपूर्ति और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर जैसे मुद्दों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। ऊर्जा के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने पर जोर रहेगा। रूस भारत को कच्चे तेल और गैस की सप्लाई करने वाला एक बड़ा देश है। वैश्विक हालातों के बीच ऊर्जा सुरक्षा भारत के लिए एक अहम मुद्दा है, ऐसे में इस क्षेत्र में नए समझौते दोनों देशों के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

बिजनेस फोरम को संबोधन-

आज शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति पुतिन संयुक्त रूप से भारत-रूस बिजनेस फोरम को संबोधित करेंगे। इस फोरम में दोनों देशों के प्रमुख उद्योगपति, कारोबारी और निवेशक शामिल होंगे। यहां व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को बढ़ाने पर ज़ोर दिया जाएगा। भारत चाहता है कि रूस के साथ उसका व्यापार संतुलित और दीर्घकालिक हो, वहीं रूस भी भारतीय बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ाना चाहता है।

राष्ट्रपति भवन में स्टेट डिनर-

रात में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रूसी राष्ट्रपति पुतिन के सम्मान में राष्ट्रपति भवन में एक भव्य स्टेट डिनर देंगी। यह कार्यक्रम दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों और आपसी सम्मान का प्रतीक होगा।

संसद का शीतकालीन सत्र:

-पांचवें दिन विपक्ष का प्रदूषण पर हंगामा, राहुल गांधी ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली । संसद के शीतकालीन सत्र का शुक्रवार को पांचवां दिन है। चौथे दिन संसद परिसर और दोनों सदनों में सियासी गर्माहट देखने को मिली। गुरुवार को कार्यवाही शुरू होने से पहले ही विपक्ष ने दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण के मुद्दे को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। संसद के मकर द्वार पर विपक्षी सांसद हाथों में तख्तियां लिए और चेहरे पर गैस मास्क पहनकर पहुंचे। उनका कहना था कि दिल्ली समेत उत्तर भारत के कई हिस्सों में एयर पॉल्यूशन खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है, लेकिन सरकार इस गंभीर मसले पर सदन में चर्चा कराने को तैयार नहीं है। विपक्षी दलों ने मांग की कि वायु प्रदूषण पर तत्काल चर्चा कराई जाए और केंद्र सरकार इससे निपटने के लिए ठोस नीति और समयबद्ध कार्ययोजना पेश करे। विपक्ष का आरोप है कि हर साल सर्दियों में दिल्ली और आसपास के राज्यों में हालात बदतर हो जाते हैं, आम लोगों की सेहत पर गहरा असर पड़ता है, लेकिन सरकार सिर्फ बयानबाजी तक सीमित रहती है। हालांकि, सरकार की ओर से यह कहकर चर्चा की मांग को टाल दिया गया कि इस विषय पर पहले ही संबंधित मंचों पर पर्याप्त बातचीत हो चुकी है। इसी बीच, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन के भारत दौरे को लेकर भी संसद में सियासी बयानबाज़ी तेज हो गई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि सरकार नहीं चाहती कि विपक्ष विदेशी मेहमानों से मुलाकात करे और अपनी बात उनके सामने रखे। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि जब विपक्ष इस तरह की मुलाकात करना चाहता है, तो उसे नियमों का हवाला देकर रोका जाता है, जबकि खुद प्रधानमंत्री और विदेश मंत्रालय इन नियमों का पालन नहीं करते। राहुल ने इसे सरकार की "इनसिक्योरिटी" बताते हुए कहा कि एक मजबूत लोकतंत्र में संवाद से डरने की जरूरत नहीं होती। राहुल गांधी के बयान पर सत्तापक्ष की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया भी देखने को मिली। भाजपा सांसदों ने कहा कि विदेश नीति राष्ट्रीय हित से जुड़ा विषय है और इस पर सरकार ही अंतिम निर्णय लेती है। उनका कहना था कि विदेशी राष्ट्राध्यक्षों से मुलाकात के लिए एक निश्चित प्रोटोकॉल होता है, जिसका पालन करना सभी के लिए जरूरी है। सदन की कार्यवाही के बीच गुरुवार को राज्यसभा से एक अहम विधेयक भी पारित हुआ। सेंट्रल एक्साइज (संशोधन) बिल, 2025 को उच्च सदन की मंजूरी मिल गई। इससे पहले यह विधेयक लोकसभा से बुधवार को ही पास हो चुका था। इस कानून के लागू होने से तंबाकू और तंबाकू से बने उत्पादों जैसे सिगरेट, बीड़ी, गुटखा और जर्दा पर एक्साइज ड्यूटी बढ़ जाएगी। सरकार का कहना है कि इसका उद्देश्य न सिर्फ राजस्व बढ़ाना है, बल्कि लोगों को तंबाकू के सेवन से हतोत्साहित करना भी है। बढ़ी हुई टैक्स दरों से खासतौर पर युवाओं में इन उत्पादों की खपत कम होने की उम्मीद जताई जा रही है।

गुजरात में SIR: 17 लाख मृत वोटर मिले, ममता बोलीं- आधे से ज्यादा हिंदू प्रभावित

नई दिल्ली । गुजरात में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) अभियान के दौरान राज्य की मौजूदा वोटर लिस्ट में 17 लाख से अधिक मृत व्यक्तियों के नाम होने का खुलासा हुआ है। यह जानकारी राज्य के चीफ इलेक्टोरल ऑफिसर ने जारी की है। अधिकारीयों के मुताबिक, पिछले एक महीने में पांच करोड़ से अधिक रजिस्टर्ड वोटरों को फॉर्म बांटे गए हैं। राज्य के 33 जिलों में 100% फॉर्म वितरण का काम पूरा हो चुका है और लौटे हुए फॉर्म को डिजिटाइज करने का काम जारी है। इस बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने SIR को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। मुर्शिदाबाद में रैली के दौरान उन्होंने दावा किया कि गुजरात में हुई SIR संबंधित घटनाओं में मरने वालों में आधे से ज्यादा हिंदू हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले धार्मिक राजनीति को हवा दे रही है और अपनी ही जमीन काट रही है जिस पर वह बैठी है। SIR के दौरान कई विसंगतियाँ भी सामने आई हैं। 6.14 लाख से अधिक वोटर अपने पते से गायब पाए गए और लगभग 30 लाख से ज्यादा वोटर हमेशा के लिए सूची से हट गए। इसके अलावा, 3.25 लाख से अधिक वोटर 'रिपीटेड कैटेगरी' में पाए गए, जिसका मतलब है कि उनके नाम एक से अधिक जगहों पर दर्ज हैं। ममता बनर्जी ने बंगाल की सुरक्षा और SIR फॉर्म न भरने को लेकर केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सीमा सुरक्षा की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है और लोगों द्वारा SIR फॉर्म न भरना उनकी एकजुटता का संकेत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बंगाल में एनआरसी या डिटेंशन होम की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने वक्फ संपत्तियों पर अतिक्रमण नहीं होने देने की प्रतिबद्धता दोहराई और एआई के दुरुपयोग तथा फर्जी बयानों पर भी चिंता जताई। इस पूरे मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने भी टिप्पणी की। कोर्ट ने SIR अभियान में काम कर रहे बूथ लेवल ऑफिसर्स (BLO) पर काम के दबाव को लेकर चिंता जताई। तमिलगा वेत्री कझगम की याचिका पर चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने राज्यों को निर्देश दिए कि BLO का बोझ कम करने के लिए आयोग को अतिरिक्त स्टाफ उपलब्ध कराना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा कि किसी कर्मी के पास ड्यूटी से छूट का वाजिब कारण हो तो उसे केस-टू-केस आधार पर राहत दी जाए। याचिका में आरोप लगाया गया था कि समयसीमा में काम पूरा न करने पर BLO पर केस दर्ज किए जा रहे हैं, जिससे कुछ मामलों में आत्महत्या जैसी घटनाएं भी सामने आई हैं। विश्लेषकों का कहना है कि SIR अभियान वोटर लिस्ट को साफ करने और चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए जरूरी है, लेकिन इसके साथ ही प्रशासन और BLO पर काम का दबाव बढ़ गया है। इससे कर्मचारियों की मानसिक और शारीरिक सुरक्षा सुनिश्चित करना भी चुनौतीपूर्ण हो गया है। वहीं राजनीतिक दल इस अभियान का लाभ उठाने के लिए इसे चुनावी मुद्दा बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

भारत-रूस की अटूट दोस्ती:

-पुतिन के दौरे ने विश्वास और साझेदारी को मजबूत किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस और भारत के संबंध हमेशा से ही खास रहे हैं। हाल ही में रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे ने इस दोस्ती को एक बार फिर उजागर कर दिया। उनके स्वागत के लिए देशभर से लगभग दो लाख लोग देखने आए। पुतिन ने अपने दौरे से ठीक पहले कहा कि भारत हमारे सबसे भरोसेमंद साझेदारों में से एक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हमारे बीच का रिश्ता सिर्फ हथियारों की बिक्री और खरीद तक सीमित नहीं है। बल्कि हम टेक्नोलॉजी शेयर करते हैं और दोनों देशों के बीच डिफेंस सेक्टर में यह भरोसा बहुत अहम है। यह आम बात नहीं है कि कोई देश अपनी उन्नत तकनीक किसी दूसरे देश के साथ साझा करे। इसके लिए दो देशों के बीच अटूट विश्वास होना बेहद जरूरी है। इतिहास में भी भारत-रूस के रिश्तों की मजबूत नींव बहुत पहले रखी गई थी। पहली बार भारत ने विजय लक्ष्मी पंडित को रूस (तब सोवियत संघ) का राजदूत बनाया। इसी प्रकार, रूस ने किरिल नोविकोव को भारत का राजदूत नियुक्त किया और उन्हें दिल्ली भेजा। दिल्ली एयरपोर्ट पर अपनी पत्नी और बच्चों के साथ उनका स्वागत किया गया। यह वही समय था जब दोनों देशों के रिश्तों की नींव को मजबूत किया गया। भारत और रूस के बीच यह साझेदारी केवल राजनीतिक या सैन्य संबंधों तक सीमित नहीं रही। दोनों देशों ने शिक्षा, विज्ञान, तकनीकी और सांस्कृतिक क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाया। उदाहरण के तौर पर, रूस ने भारत को नेहरू के समय में गाय उपहार में दी थी, जो दोनों देशों के बीच मित्रता और सम्मान का प्रतीक बनी। इन छोटे-छोटे कृत्यों ने भी भारत-रूस के रिश्तों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज की तारीख में भी दोनों देशों के बीच यह विश्वास और सहयोग कायम है। चाहे डिफेंस, विज्ञान, ऊर्जा, या तकनीकी क्षेत्र हो, भारत और रूस हमेशा एक-दूसरे के भरोसेमंद साथी रहे हैं।

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड:

-सीकर में 1° तापमान, MP के 9 शहरों में पारा 10° से नीचे, कश्मीर में जमी नदियां

नई दिल्ली । पहाड़ी राज्यों से आ रही बर्फीली हवाओं ने उत्तर भारत में कड़ाके की सर्दी ला दी है। राजस्थान, मध्य प्रदेश से लेकर जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड तक ठंड का असर साफ नजर आ रहा है। कई इलाकों में तापमान सामान्य से काफी नीचे चला गया है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है। राजस्थान की बात करें तो सीकर जिले में गुरुवार को न्यूनतम तापमान केवल 1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। तेज सर्दी की वजह से सुबह के समय ओस की बूंदें तक जम गईं। खुले में खड़ी गाड़ियों और खेतों की फसलों पर बर्फ जैसी सफेद परत देखी गई। मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए सीकर, चूरू और झुंझुनूं जिलों में कोल्डवेव का अनुमान जताया है। विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर-पश्चिम से आ रही ठंडी हवाओं के कारण अगले कुछ दिनों तक राजस्थान में रात का तापमान और गिर सकता है। ग्रामीण इलाकों में लोग अलाव जलाकर और अतिरिक्त कपड़े पहनकर ठंड से बचाव करते नजर आ रहे हैं। मध्य प्रदेश में भी सर्दी ने अपना असर तेज कर दिया है। राज्य के 9 शहरों में तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा, जहां न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। राजधानी भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन जैसे बड़े शहरों में भी सर्द हवाओं के कारण कंपकंपी महसूस की जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले दो दिनों में प्रदेश के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक की और गिरावट हो सकती है। इसका असर खास तौर पर सुबह-शाम के समय दिखाई देगा। सबसे ज्यादा सर्दी की मार जम्मू-कश्मीर में देखने को मिल रही है। यहां गुरुवार को कई इलाकों में तापमान शून्य से काफी नीचे चला गया, जिससे नदियां और झरने जम गए। श्रीनगर में न्यूनतम तापमान माइनस 4 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि पुलवामा में माइनस 5.6, काजीगुंड में माइनस 3.6 और कुपवाड़ा में माइनस 3.2 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ। कश्मीर घाटी में यह दौर 'चिल्लई-कलां' की याद दिला रहा है, जब कड़ाके की ठंड सबसे ज्यादा पड़ती है। ठंड के कारण जलापूर्ति लाइनों और सड़कों पर भी असर पड़ रहा है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी मौसम का मिजाज बदला हुआ है। मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए इन दोनों राज्यों में बारिश और बर्फबारी का अलर्ट जारी किया है। हिमाचल के ऊंचाई वाले इलाकों में गुरुवार को कोल्डवेव और कोहरे का असर रहा। लाहौल-स्पीति के ताबो में तापमान माइनस 9.8 डिग्री तक पहुंच गया, जो बेहद सर्द हालात को दर्शाता है। बर्फबारी की चेतावनी के चलते प्रशासन ने पर्यटकों और स्थानीय लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। कुल मिलाकर, उत्तर भारत में सर्दी अपने चरम की तरफ बढ़ रही है। आने वाले दिनों में ठंड से राहत मिलने के आसार फिलहाल कम नजर आ रहे हैं, ऐसे में लोगों को सावधानी बरतने और मौसम विभाग की चेतावनियों पर ध्यान देने की जरूरत है।

ट्रम्प 30 से अधिक देशों पर ट्रेवल बैन लगाने की तैयारी में

वॉशिंगटन डिसी (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 30 देशों से अधिक पर ट्रेवल बैन लगाने की तैयारी कर रहे हैं। अमेरिकी गृह सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने गुरुवार को फॉक्स न्यूज के कार्यक्रम 'द इंग्राहम एंगल' में इस बात की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति इन देशों का लगातार मूल्यांकन कर रहे हैं और यह संख्या 30 से अधिक हो सकती है। क्रिस्टी नोएम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर हर उस देश पर पूर्ण यात्रा प्रतिबंध लगाने की मांग की थी, जो अमेरिका में अपराध और अशांति को बढ़ावा दे रहे हैं। इससे पहले ट्रम्प ने 19 देशों के नागरिकों को अमेरिकी नागरिकता और ग्रीन कार्ड पाने की प्रक्रिया रोक दी थी। यह निर्णय पिछले महीने अफगान शरणार्थी द्वारा नेशनल गार्ड्स पर गोलीबारी की घटना के बाद आया था। इन 19 देशों में अफगानिस्तान, म्यांमार, बुरुंडी, चाड, कांगो, क्यूबा, इक्वेटोरियल गिनी, इरीट्रिया, हैती, ईरान, लाओस, लीबिया, सिएरा लियोन, सोमालिया, सूडान, टोगो, तुर्कमेनिस्तान, वेनेजुएला और यमन शामिल हैं। यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (USCIS) ने इन देशों के सभी इमिग्रेशन, नागरिकता और ग्रीन कार्ड से जुड़े आवेदन होल्ड पर रखने का आदेश दिया है। ट्रम्प का दावा है कि इन कदमों से अवैध और परेशानी पैदा करने वाली आबादी को कम किया जा सकेगा। उनका मानना है कि दूसरी विश्व युद्ध के बाद अमेरिका में इस तरह की सामाजिक समस्याएं नहीं थीं।

आसिम मुनीर बने पाकिस्तान के पहले CDF और आर्मी चीफ

-परमाणु हथियारों की कमान भी सौंपी गई

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार ने गुरुवार को एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए जनरल आसिम मुनीर को देश का पहला चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (CDF) और चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (COAS) नियुक्त किया। दोनों पदों पर उनका कार्यकाल पांच वर्ष का होगा। यह नियुक्ति राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्रपति को समरी भेजकर मुनीर की नियुक्ति की सिफारिश की थी। आसिम मुनीर इस समय पाकिस्तान के पहले सैन्य अधिकारी हैं जो CDF और COAS दोनों पदों को एक साथ संभालेंगे। इसी साल उन्हें फील्ड मार्शल के पद पर भी पदोन्नत किया गया था, जो उनकी सैन्य सेवा और अनुभव का प्रतीक है। इस नई जिम्मेदारी के साथ उन्हें पाकिस्तान की सशस्त्र सेनाओं के सभी अंगों – आर्मी, नेवी और एयर फोर्स – का सर्वोच्च नियंत्रण प्राप्त हो गया है। साथ ही, एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्दू के लिए दो साल का कार्यकाल विस्तार मंजूर किया गया है। यह विस्तार मार्च 2026 में उनके मौजूदा पांच साल के कार्यकाल के समाप्त होने के बाद लागू होगा। इस नियुक्ति से पहले, पाकिस्तान की संसद ने 12 नवंबर को 27वां संवैधानिक संशोधन पास किया था, जो सेना की ताकत और संगठन को बढ़ाने से जुड़ा था। इस संशोधन के तहत CDF का पद बनाया गया और इस पद के माध्यम से जनरल मुनीर को पाकिस्तान के परमाणु हथियारों की कमान भी मिल गई।

इंडिगो में स्टाफ संकट: 400+ फ्लाइट्स रद्द

-दिल्ली-बेंगलुरु सबसे ज्यादा प्रभावित, यात्री घंटों एयरपोर्ट पर फंसे

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो इस समय गंभीर स्टाफ संकट से गुजर रही है। लगातार चौथे दिन क्रू मेंबर्स की भारी कमी के कारण एयरलाइन का परिचालन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। शुक्रवार सुबह 10 बजे तक दिल्ली, बेंगलुरु, पुणे और हैदराबाद समेत कई बड़े एयरपोर्ट्स पर 391 से अधिक उड़ानें रद्द करनी पड़ीं, जबकि सैकड़ों फ्लाइट्स घंटों की देरी से उड़ान भर रही हैं। इससे देशभर में हज़ारों यात्री परेशानी में फंस गए हैं। सबसे ज्यादा असर राजधानी दिल्ली पर देखने को मिला, जहां अकेले 225 उड़ानों को रद्द किया गया। बेंगलुरु में 102, पुणे में 32 और हैदराबाद में 32 फ्लाइट्स कैंसिल की गईं। इन आंकड़ों में आने और जाने, दोनों तरह की उड़ानें शामिल हैं। इन चार शहरों के अलावा भी कई एयरपोर्ट्स पर उड़ानों की नियमित समय-सारिणी पूरी तरह बिगड़ी हुई है। इंडिगो पिछले कुछ दिनों से पायलटों और अन्य फ्लाइट ऑपरेशन स्टाफ की भारी कमी से जूझ रहा है। बताया जा रहा है कि बड़ी संख्या में क्रू मेंबर्स के मेडिकल लीव, रिज़ाइन और ड्यूटी रोस्टर से जुड़ी परेशानियों के कारण यह संकट और गहराता जा रहा है। इसका सीधा खामियाजा यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। कई एयरपोर्ट्स पर हालात इतने खराब हैं कि यात्री 24-24 घंटे तक फ्लाइट का इंतजार करने को मजबूर हैं। गोवा एयरपोर्ट पर फंसी एक महिला यात्री ने अपना दर्द साझा करते हुए बताया, "हम सुबह 5 बजे से एयरपोर्ट पर बैठे हैं। यहां आकर पता चला कि फ्लाइट कैंसिल कर दी गई है। न कोई मेल आया, न कोई मैसेज। आज हमें एक शादी में शामिल होना था, लेकिन अब स्टाफ कह रहा है कि कल की फ्लाइट से भेजेंगे। हम पूरी तरह निराश हो चुके हैं।" यात्रियों की सबसे बड़ी शिकायत इंडिगो की कम्युनिकेशन व्यवस्था को लेकर है। कई लोगों का कहना है कि फ्लाइट रद्द होने या देरी की सूचना उन्हें पहले से नहीं दी गई, जिससे वे समय और पैसा दोनों गंवा बैठे। होटल, टैक्सी और खाने-पीने पर अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है, लेकिन एयरलाइन की ओर से कोई स्पष्ट जानकारी या मदद नहीं मिल रही। गुजरात के अहमदाबाद एयरपोर्ट पर भी यात्रियों का गुस्सा देखने को मिला। वाराणसी जाने वाले एक यात्री ने बताया, "4 दिसंबर को दोपहर में मेरी फ्लाइट थी। पहले कई बार देरी हुई और आखिर में फ्लाइट रद्द कर दी गई। सबसे ज्यादा परेशानी यह है कि हमारा चेक-इन किया हुआ सामान अब तक वापस नहीं मिला है। हम हेल्पडेस्क के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिल रहा।" यात्रियों का कहना है कि इंडिगो के काउंटर पर स्टाफ भी पूरी तरह असहाय नजर आ रहा है। पूछने पर वे यही कहते हैं कि सिस्टम डाउन है या उन्हें ऊपर से कोई निर्देश नहीं मिला है। टिकट रिफंड, रीबुकिंग और होटल सुविधा को लेकर भी यात्रियों को स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही। एविएशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि इतने बड़े पैमाने पर उड़ानों का रद्द होना इंडिगो की ऑपरेशनल मैनेजमेंट पर गंभीर सवाल खड़े करता है। खासकर तब, जब यह एयरलाइन घरेलू बाजार में सबसे बड़ी हिस्सेदारी रखती है। विशेषज्ञों के मुताबिक, त्योहारों और शादी-ब्याह के सीजन में यात्रियों

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,